वर्ष – 14 //अंक – 03//सितम्बर// 2025

ISSN 2454–5805

आम आदमी पत्रिका

एक आम इंसान की सोच

RNI NO.: CHHHIN/2013/50684

अब छत्तीसगढ़ में आएंगे विदेशी निवेशक

बड़े शहरों से बस्तर तक हवाई सफर आसान

छत्तीसगढ़िया खान-पान स्वाद, सेहत और संस्कृति की झलक

20

देश के नए उपराष्ट्रपति होंगे सीपी राधाकृष्णन

22

पहली बार मिजोरम में रेल नेटवर्क

26

नए विधेयक लाएंगे आमजन और व्यापार जगत के लिए बड़ी राहत

www.aamaadmi.in

eyes events
and advertising

CREATIVITY
IS TAKING A SIMPLE THING
AND BRINGING IT TO LIFE

EVENTS | EXHIBITIONS | CORPORATE FILMS | VIDEO COMMERCIAL

Mo. : 97555-23831 www.eyesevents.in Follow us on

आम आदमी पत्रिका
वर्ष–14 //अंक–03// सितम्बर//2025

प्रबंध संपादक	:	उमेश के बंसी
सर्कुलेशन इंचार्ज	:	प्रकाश बंसी
रिपोर्टर	:	नेहा श्रीवास्तव
कंटेंट राईटर	:	प्रशांत पारीक
क्रिएटिव डिजाइनर	:	जितेन्द्र साहू
मैग्ज़ीन डिज़ाइनर	:	मयंक पवार
एडमिनिस्ट्रेशन	:	कुसुम श्रीवास्तव
अकाउंट असिस्टेंट	:	उत्कर्ष चौधरी
ऑफिस कॉर्डिनेटर	:	योगेन्द्र बिसेन

प्रधान कार्यालय
54/111, सालासर बालाजी मंदिर के पास, अग्रसेन धाम के पीछे, वी.आई.पी.रोड, रायपुर (छ.ग.)
फोन : 0771-4044047
ईमेल : khabar@aamaadmi.in

कार्यालय
प्लाट नं.118, कंचन बाग, राजनांदगांव

प्रकाशक
उमेश कुमार बंसी, क्वाटर नंबर 10, एम.एम. रियल स्टेट कॉलोनी, अमलीडीह, रायपुर (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित एवं मुद्रित

विशेष- इस पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिये गए विचार, लेखकों के अपने है। इसमें संपादक / मुद्रक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में संपादक / मुद्रक जिम्मेदार नहीं होगा। इस पत्रिका से संबंधित किसी भी विवाद के लिए सुनवाई क्षेत्र रायपुर न्यायालय होगा।

अनुक्रमणिका

सितम्बर 2025

इस अंक में

बिलासपुर एजुकेशन सिटी शैक्षणिक क्रांति की तैयारी

छत्तीसगढ़ का बिलासपुर शहर जो कि न्यायधानी के रूप में जाना जाता है, अब यह शहर 100 करोड़ के बजट से प्रस्तावित एजुकेशन सिटी के माध्यम से शैक्षणिक नवाचार और समावेशिता का भी नया केन्द्र बनने जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर यह परियोजना युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ-साथ समग्र विकास का भी अवसर देगी। 05

छत्तीसगढ़ में रेल क्रांति, पांच साल में दोगुना नेटवर्क 12

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ की संकल्पना को पूरा करने और छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था को बूस्ट करने के लिए नई-नई रेल परियोजनाओं को मंजूरी मिल रही है।

सही टर्म प्लान कैसे चुनें? 14

टर्म इंश्योरेंस परिवार की वित्तीय सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है। बाजार में पांच मुख्य टर्म प्लान हैं प्योर टर्म, रिटर्न ऑफ प्रीमियम, लिमिटेड पे, इंक्रीजिंग टर्म, और सिंगल प्रीमियम. प्रत्येक की विशेषताएं अलग हैं।

मेकाहारा में विदेशी युवती का बेनाइन फाइब्रो एपिथीलियल ट्यूमर की सफल सर्जरी 18

प्रदेश का सबसे बड़ा पं. नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय एवं इससे संबद्ध डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय लगातार अपनी उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं से न केवल प्रदेश और देश बल्कि विदेशों से आए मरीजों का भी भरोसा जीत रहा है।

उपभोक्ता ऊर्जा उत्पादक के साथ बन रहे ऊर्जा दाता 30

प्रदेश में सौर ऊर्जा के उपभोक्ता अब केवल ऊर्जा उत्पादक ही नहीं, बल्कि ऊर्जा दाता भी बन रहे हैं।

इन जरूरी चीजें के घटने वाले हैं दाम, हर घर में होता है इस्तेमाल 32

सरकार ने लोगों को बड़ा राहत देते हुए जीएसटी रेट कट के रूप में दिवाली से पहले बड़ा गिफ्ट दिया है. जहां एक ओर जीएसटी के तहत 4 स्लैब हटाकर सिर्फ 2 स्लैब (5%-18%) कर दिए गए हैं. वहीं आम आदमी के लिए कई जरूरी सामानों की कीमतें 22 सितंबर से कम

सुर-ताल और घुंघरू की सतरंगी छटा, मल्लखंभ रहा आकर्षण का केंद्र 34

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चक्रधर समारोह 2025 का विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और लोक-शास्त्रीय कलाओं की अनूठी छटा से सराबोर रहा।

नए छत्तीसगढ़ का नया युग संकल्प हर स्थिति में बेहतर की

उमेश के बंसी
(प्रबंध संपादक)

निवेश जरूरी है, तभी तो छत्तीसगढ़ आगे बढ़ेगा। रोजगार मिलेंगे, उत्पादन क्षमता बढ़ेगी, पहुंच विदेशों तक बढ़ेगी। ऐसे में ही गढ़ा जाएगा नित नए संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ का नया युग। एक दौर था, जब छत्तीसगढ़ में रोजगार के अवसर की कमी थी, लेकिन आज ऐसी स्थिति बन गई है कि स्थानीय लोगों को उद्योग लगाने में सफलता मिल रही है। साथ ही विदेशी निवेशकों को बुलावा मिल रहा है और काफी हद तक सीएम साय की पहल को सफलता मिल रही है। यहां जैसे ही विदेशी निवेशकों की तादाद बढ़ेगी, वैसे ही छत्तीसगढ़ का नया संकल्प, जो विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में सबसे कारगर साबित होगा। ऐसे ही कार्यों से राज्य की स्थिति बदलेगी।

जनता के करीब पहुंचना और उनकी समस्याओं को दूर करना, बेहद ही संवेदनशीलता का कार्य है। ऐसे में सुशासन तिहार ने जनता के करीब लाया और उनकी समस्याएं सुनी गई। समस्याओं का निराकरण भी किया गया और घोषणाएं भी की गई। जिससे उन्हें राहत दी जा सके।

एक बड़ा संकल्प है कि विजन डाक्यूमेंट 2047 की दिशा में तेजी से कार्य हो रहे है। नया रायपुर को नए कलेवर में तैयार कर मॉडल बनाया जाने का प्रयास तेज है। ऐसे में पर्यावरण की दृष्टि से, हाईटेक की दृष्टि से, आर्थिक दृष्टिकोण से सभी नजरिये से नया रायपुर को नई कोशिशों के साथ बढ़ाया जा रहा है। इससे निश्चित ही नए सुशासन का उद्गम होगा। पूर्ववर्ती सरकार में नया रायपुर में अत्याधुनिक सुविधाओं के विस्तार पर ध्यान नहीं दिया गया, लेकिन वर्तमान सरकार में अब नया रायपुर को बड़े शहरों की तर्ज पर सुविधाओं से लैस किया जा रहा है।

प्रगति का नया अध्याय भी अब नए तरीके से शुरू किया जा रहा है। महिलाओं का सशक्त किया जा रहा है। महिलाएं सशक्त होने के साथ अब नई सीढ़ी की ओर अग्रसर है। महतारी वंदन योजना से उन्हें नया मुकाम मिल रहा है। किसानों की आर्थिक स्थिति भी बेहतर हो रही है। इसी का नतीजा है कि छत्तीसगढ़ धन-धान्य हो रहे है।

युवाओं को नौकरी के अवसर भी मिल रहे है। स्वरोजगार के अवसर भी तैयार हो रहे है। यहां तक कि अब परीक्षाएं आयोजित करने वाली संस्थाओं में पारदर्शी नियम बने है। युवा अब नई-नई शुरूआत करने में भी आगे आ रहे है। इससे युवाओं का मनोबल भी उंचा हो रहा है। हालांकि नए संकल्पों के साथ नए विश्वास भी गढ़ रहे है। सीएम साय के प्रयासों से नए छत्तीसगढ़ का संकल्प भी पूरा हो रहा है।

धान के कटोरे से सुपर फूड की ओर

मखाना की खेती बनी महिलाओं के लिए समृद्धि की आधार

मखाने की आधुनिक खेती किसानों और महिला स्व-सहायता समूहों के लिए आय बढ़ाने का नया मार्ग है। यह पहल न केवल आर्थिक रूप से लाभकारी है बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी समाज को नई दिशा देने वाली है। प्रशासन का उद्देश्य है कि आने वाले वर्षों में मखाना खेती को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित कर किसानों को धान के बेहतर विकल्प के रूप में उपलब्ध कराया जाए।

धमतरी में सुपर फूड मखाना, जिसे काला हीरा भी कहा जाता है,से अपनी पहचान बना रहा है। स्वास्थ्यवर्धक और पोषक तत्वों से भरपूर मखाने की खेती ने जिले के किसानों और महिला स्व-सहायता समूहों के जीवन में नई उम्मीदें जगा दी हैं। जिला प्रशासन ने इसे प्राथमिकता देते हुए धान की खेती के विकल्प के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया है, ताकि किसानों की आमदनी दोगुनी हो सके और ग्रामीण आजीविका को मजबूती मिले।

कुरूद विकासखंड के ग्राम राखी, दरगहन और सरसोंपुरी को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चुना गया है। इन गांवों के तालाबों में लगभग 20 हेक्टेयर क्षेत्र में मखाने की खेती की जा रही है। राखी गांव में करीब 5 हेक्टेयर क्षेत्र की फसल अब तैयार होकर हार्वेस्टिंग के चरण में पहुँच चुकी है। कटाई-छंटाई का यह कार्य प्रशिक्षित मजदूरों की मदद से किया जा रहा है क्योंकि मखाने की फसल में विशेष दक्षता की आवश्यकता होती है। मखाना केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि स्वास्थ्य के लिहाज से भी अमूल्य वरदान है। इसमें विटामिन, कैल्शियम, मैग्निशियम, आयरन, जिंक और फाइबर प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। यह डायबिटीज और हृदय रोगियों के लिए उपयोगी है, हड्डियों और जोड़ों के दर्द में राहत देता है, रात को सेवन करने पर अच्छी नींद और तनाव मुक्ति प्रदान करता है तथा प्रोटीन और फास्फोरस से भरपूर होने के कारण शरीर को ऊर्जा और मजबूती देता है।

इस नई पहल ने गांवों में उत्साह का वातावरण बना दिया है। खासकर महिला स्वसहायता समूहों की भागीदारी उल्लेखनीय है। ग्राम देमार की शैलपुत्री महिला समूह और नई किरण महिला समूह ने मखाने की खेती और प्रसंस्करण का प्रशिक्षण लेकर इसे आजीविका का साधन बनाना शुरू कर दिया है। महिलाओं की यह भागीदारी न केवल उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना रही है बल्कि पूरे परिवार की जीवनशैली में सुधार लाने का माध्यम भी बन रही है। तकनीकी मार्गदर्शन के लिए कृषि विस्तार अधिकारी और इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के विशेषज्ञ लगातार किसानों के साथ जुड़े हुए हैं। तालाबों में केवल 2 से 3 फीट पानी में यह फसल आसानी से तैयार हो जाती है और लगभग छह महीने में कटाई योग्य हो जाती है। लाभ के लिहाज से भी मखाना धान से कहीं अधिक फायदेमंद साबित हो रहा है। धान की खेती में जहां औसत शुद्ध लाभ 32 हजार 698 रुपये आता है, वहीं मखाने की खेती से किसानों को लगभग 64 हजार रुपये तक की आमदनी हो रही है। यही कारण है कि जिला प्रशासन ने किसानों की बढ़ती रुचि को देखते हुए अगले रबी सीजन में 200 एकड़ तालाबों में मखाने की खेती विस्तार का लक्ष्य निर्धारित किया है।

वैश्विक मंच पर छत्तीसगढ़

अब छत्तीसगढ़ में आएंगे विदेशी निवेशक

◦ छत्तीसगढ़ के लिए तकनीक, व्यापार और संस्कृति के नए आयाम

सीएम साय और प्रतिनिधि मंडल ने जापान और दक्षिण कोरिया में निवेशकों से बातचीत की और निवेशकों को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए कहा. ओसाका वर्ल्ड एक्सपो में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आध्यात्मिकता, तकनीक और व्यापार कूटनीति के संगम के साथ की।

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने एनटीटी लिमिटेड (NTT Ltd.) की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री कायो इतो से मुलाकात की। एनटीटी विश्व की शीर्ष आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल समाधान कंपनियों में से एक है, जिसकी वार्षिक आय 90 अरब अमेरिकी डॉलर है और जो 50 से अधिक देशों में कार्यरत है। इस बैठक में छत्तीसगढ़ में तकनीक आधारित निवेश की संभावनाओं पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने राज्य में डिजिटल इकोसिस्टम को मजबूत बनाने पर जोर दिया। एनटीटी विश्वभर में क्लाउड कम्प्यूटिंग और साइबर सुरक्षा सहित अत्याधुनिक आईटी समाधान प्रदान कर रही है और डिजिटल परिवर्तन की अग्रणी शक्ति बनी हुई है। भारत के जापान में राजदूत सिबी जॉर्ज द्वारा आयोजित औपचारिक रात्रिभोज में मुख्यमंत्री साय और प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया।

इस अवसर पर हुई चर्चा में इंडो-पैसिफिक देशों को उद्योग और व्यापार के माध्यम से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया गया। इसमें आर्थिक स्थिरता, व्यापारिक सुरक्षा, पारिस्थितिकीय संतुलन और औद्योगिक वृद्धि की अहम भूमिका को रेखांकित किया गया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जापान की उन्नत तकनीक और भारत के कुशल जनशक्ति के संयोजन से व्यापक औद्योगिक सहयोग की संभावनाएँ हैं। उन्होंने सांस्कृतिक संबंधों को प्रोत्साहित करने और छत्तीसगढ़ को जापानी पर्यटकों के लिए आकर्षक पर्यटन गंतव्य के रूप में प्रस्तुत करने पर भी जोर दिया।

निवेश और नवाचार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

टोक्यो में जापान एक्सटर्नल ट्रेड आर्गनाइजेशन (JETRO) के वरिष्ठ प्रतिनिधियों नाकाजो काजुया, एंडो युजी और हारा हारुनोबू से भेंट कर निवेश एवं

औद्योगिक सहयोग के संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में आईटी, टेक्सटाइल्स, एयरोस्पेस, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ की अपार संभावनाओं को रेखांकित किया गया। मुख्यमंत्री ने जेट्रो के प्रतिनिधियों को प्रदेश की तेजी से प्रगति कर रही अर्थव्यवस्था में निवेश के नए अवसर तलाशने हेतु आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़, भारत के हृदय स्थल में स्थित एक उभरता हुआ औद्योगिक एवं निवेश गंतव्य है। राज्य सरकार पारदर्शी नीतियों, सुगम प्रक्रियाओं और मजबूत औद्योगिक आधारभूत संरचना के माध्यम से वैश्विक निवेशकों को आकर्षित कर रही है। जेट्रो प्रतिनिधियों के साथ हुई चर्चा से छत्तीसगढ़ और जापान के बीच आर्थिक सहयोग की नई संभावनाओं को बल मिलेगा। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर आयोजित "Deep Space – To the Moon & Beyond" प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष विज्ञान और नवाचारों की यह समृद्ध झलक, आने वाले समय में छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में भारत सरकार के सहयोग से विकसित किए जा रहे स्पेस मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर को नई दिशा और प्रेरणा देगी। मुख्यमंत्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि जापान प्रवास से छत्तीसगढ़ को निवेश, नवाचार और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के क्षेत्र में ठोस परिणाम प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार का लक्ष्य प्रदेश को न केवल औद्योगिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है बल्कि उसे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से विश्व पटल पर एक सशक्त पहचान दिलाना भी है।

वैश्विक सेतु निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

मुख्यमंत्री साय और उनके प्रतिनिधिमंडल का यह पहला दिन उपलब्धियों से परिपूर्ण रहा। इसमें व्यापार, तकनीक और कूटनीति से जुड़े अहम अवसरों की खोज की गई। इन प्रयासों से छत्तीसगढ़ को तीव्र औद्योगिक

विकास, डिजिटल नवाचार और वैश्विक साझेदारी के एक उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए।

स्टार्टअप्स और नई पीढ़ी के उद्योगों को प्रदान किए जा रहे सशक्त सहयोग

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ अपने सतत प्रयासों के माध्यम से स्वयं को वैश्विक मंच पर एक प्रतिस्पर्धी एवं दूरदर्शी निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ में औद्योगिक सहयोग तथा वैश्विक साझेदारियों को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से अनेक महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में भाग लिया। इस क्रम में मुख्यमंत्री साय ने जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (JETRO) के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। इस बैठक में क्षेत्रीय विविधीकरण, व्यापार एवं तकनीकी सहयोग, आधारभूत संरचना विकास तथा छत्तीसगढ़ में उभरते निवेश अवसरों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर राज्य की निवेशक-अनुकूल नीतियों, हाल के सुधारों तथा स्टार्टअप्स और नई पीढ़ी के उद्योगों को प्रदान किए जा रहे सशक्त सहयोग पर प्रकाश डाला।

जापानी व्यवसायियों को छत्तीसगढ़ में निवेश के अवसर

मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ के भविष्य की दिशा तय करने में उन्नत प्रौद्योगिकियों की महत्ता पर बल देते हुए टोक्यो में आयोजित "Deep Space – To the Moon and Beyond" नामक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। यह दौरा विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि राजनांदगांव में भारत सरकार के सहयोग से प्रस्तावित स्पेस मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर स्थापित किया जा रहा है, जो छत्तीसगढ़ को वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था से और गहन रूप से जोड़ने में सहायक सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री साय ने जापान में बसे भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी भेंट एवं संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने उन्हें राज्य की हालिया नीतिगत पहल, छत्तीसगढ़ में निवेश के प्रति सकारात्मक माहौल तथा बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन पर केंद्रित प्रयासों से अवगत कराया। भारतीय प्रवासी समुदाय के

सदस्यों ने मुख्यमंत्री साय को आश्वस्त किया कि वे छत्तीसगढ़ और जापान के बीच संबंधों को सशक्त बनाने में सक्रिय सहयोग देंगे तथा जापानी व्यवसायियों को छत्तीसगढ़ में निवेश अवसर तलाशने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

छत्तीसगढ़ ने जीता निवेशकों का भरोसा

मुख्यमंत्री साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान ओसाका में आयोजित प्रतिष्ठित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों, प्रतिभाशाली मानवबल और उद्योग-अनुकूल नीतियों का सशक्त संगम है। उन्होंने रेखांकित किया कि भारत और जापान विश्वास एवं साझा मूल्यों की गहरी डोर से जुड़े हैं। मुख्यमंत्री ने जापानी साझेदारों से आह्वान किया कि वे नवाचार, अवसर और साझा समृद्धि से आगे बढ़ रही छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा में भागीदार बनें। मुख्यमंत्री ने सरताज फूड्स, ओसाका को छत्तीसगढ़ में फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने के लिए 11.45 मिलियन डॉलर (₹100 करोड़) का निवेश प्रस्ताव दिया। यह परियोजना राज्य के फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र को नई ऊँचाई देगी, बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन करेगी और किसानों को नए अवसर प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल से छत्तीसगढ़ कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी।

वर्कफोर्स सॉल्यूशंस के क्षेत्र में अग्रणी

बिजनेस-टू-गवर्नमेंट (B2G) बैठकों के अंतर्गत मुख्यमंत्री साय ने मोराबु हंशिन कंपनी के प्रेसिडेंट एवं रिप्रेजेंटेटिव डायरेक्टर नाओयुकी शिमाडा से भी भेंट की। यह कंपनी कुशल इंजीनियरों, सिस्टम डेवलपमेंट और वर्कफोर्स सॉल्यूशंस के क्षेत्र में अग्रणी है। बैठक में कौशल प्रशिक्षण और वर्कफोर्स एक्सचेंज के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए वैश्विक अवसरों का मार्ग प्रशस्त होगा और राज्य का कौशल तंत्र और अधिक सशक्त बनेगा।

किसानों को सशक्त बनाएँगी, युवाओं के लिए रोजगार

छत्तीसगढ़ के अधिकारियों ने राज्य की प्रतिस्पर्धात्मक विशेषताओं को विस्तार से प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि प्रचुर खनिज संपदा, सक्रिय सिंगल-विंडो क्लियरेंस सिस्टम, विश्वस्तरीय औद्योगिक ढाँचा और वैश्विक निवेशकों को सहज वातावरण उपलब्ध कराना छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी ताकत है। राज्य में किए जा रहे सुधारों और निवेशकों के लिए प्रोत्साहन योजनाओं की जापानी प्रतिनिधियों ने सराहना की। विशेषकर फूड प्रोसेसिंग, प्रौद्योगिकी और उन्नत वर्कफोर्स सॉल्यूशंस के क्षेत्र में निवेश की इच्छुक कंपनियों ने छत्तीसगढ़ को उपयुक्त अवसरों का प्रदेश बताया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, “छत्तीसगढ़ निवेश-अनुकूल इकोसिस्टम प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जहाँ वैश्विक साझेदारों को अवसर और सहयोग दोनों मिलते हैं। जापान के साथ हमारी साझेदारी विश्वास और साझा मूल्यों पर आधारित है। ओसाका में हुई चर्चाएँ न केवल निवेश लेकर आएँगी, बल्कि हमारे किसानों को सशक्त बनाएँगी, युवाओं के लिए रोजगार उत्पन्न करेंगी और विकसित छत्तीसगढ़ की नींव को और अधिक मजबूत करेंगी।

वर्ल्ड एक्सपो 2025 : प्रदेश की संस्कृति और समृद्धि की अद्भुत झलक

मुख्यमंत्री साय ओसाका (जापान) में चल रहे वर्ल्ड एक्सपो 2025 के भारत मंडपम के अंतर्गत स्थापित छत्तीसगढ़ पैवेलियन पहुँचे। यहाँ उन्होंने प्रदेश की संस्कृति, परंपरा और आधुनिक प्रगति को दर्शाती प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उल्लेखनीय है कि उद्घाटन दिवस पर ही छत्तीसगढ़ पैवेलियन में 22 हजार से अधिक दर्शक पहुँचे। यहाँ आने वाले लोग प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, आदिवासी लोककला, उद्योग और पर्यटन की अनूठी झलक देखकर उत्साहित हुए। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज अपनी परंपरा और आधुनिकता के अनूठे संगम के साथ दुनिया के सामने उभर रहा है। “हमारी पहचान केवल धरोहर और लोकसंस्कृति तक सीमित नहीं है, बल्कि उद्योग, नवाचार और वैश्विक सहयोग की दिशा में भी हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। पवेलियन में छत्तीसगढ़ की जनजातीय कला, बुनाई, हस्तनिर्मित

उत्पाद, हर्बल आइटम्स और पर्यटन स्थलों को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया है। साथ ही, प्रदेश की औद्योगिक क्षमता, निवेश अवसर और भविष्य की संभावनाओं पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। जापान और अन्य देशों से आए आगंतुकों ने छत्तीसगढ़ के पैवेलियन की सराहना करते हुए विशेष रूप से हस्तशिल्प और बांस उत्पादों, बस्तर आर्ट और लोकसंगीत पर आधारित प्रस्तुतियों की प्रशंसा की। इससे अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के बीच प्रदेश की एक सकारात्मक छवि बनी। मुख्यमंत्री साय ने पवेलियन में मौजूद मेहमानों से आत्मीय संवाद करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ निवेश और साझेदारी के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को प्रदेश के साथ जुड़कर विकास की नई दिशा में कदम बढ़ाने का आमंत्रण दिया।

छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए किया आमंत्रित

मुख्यमंत्री साय ने ओसाका की एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित कियामुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ओसाका की एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित कियामुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ओसाका की एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान ओसाका स्थित एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड को राज्य में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कंपनी को छत्तीसगढ़ में अत्याधुनिक खाद्य प्रसंस्करण इकाई तथा उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सुविधा स्थापित करने का प्रस्ताव दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ये परियोजनाएँ न केवल कृषि मूल्य शृंखलाओं को मजबूत करेंगी बल्कि उच्च-तकनीकी विनिर्माण को भी प्रोत्साहित करेंगी और राज्य के युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर नए रोजगार अवसर सृजित करेंगी।

छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं पर हुई चर्चा

मुख्यमंत्री साय ने अपने दक्षिण कोरिया प्रवास के दौरान सियोल में एडवांस्ड टेक्नोलॉजी सेंटर एसोसिएशन (ATCA) के चेयरमैन ली जे जेंग एवं वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। ATCA एक सशक्त औद्योगिक नेटवर्क है, जिसमें आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, फार्मा और टेक्सटाइल क्षेत्र की 60 से अधिक प्रमुख कंपनियाँ शामिल हैं। मुख्यमंत्री साय ने । TCA प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार निवेशकों के लिए एक अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने श्री ली जे जेंग और उनके साथ आए वरिष्ठ अधिकारियों को आमंत्रित किया कि वे अपने आगामी भारत दौरे के दौरान

छत्तीसगढ़ अवश्य आएँ और राज्य में उपलब्ध निवेश व सहयोग की संभावनाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन करें। ATCA ने छत्तीसगढ़ की कंपनियों के साथ बी2बी साझेदारी में रुचि दिखाई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी और एम्स जैसे राष्ट्रीय संस्थान मौजूद हैं, जो विश्वस्तरीय प्रतिभा उपलब्ध कराते हैं। राज्य का 'प्लग एंड प्ले' इंफ्रास्ट्रक्चर और सशक्त लॉजिस्टिक्स नेटवर्क छत्तीसगढ़ को ATCA के अनुसंधान एवं विकास केंद्रों और भारत में उनके विस्तार का स्वाभाविक हब बनाता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ तेजी से विकसित हो रहा है और यहाँ उद्योग-अनुकूल नीतियाँ, प्रचुर प्राकृतिक संसाधन, कुशल मानव संसाधन तथा मजबूत बुनियादी ढाँचा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, फार्मा और टेक्सटाइल जैसे उभरते क्षेत्रों में ।ज्ब। कंपनियाँ यहाँ आकर निवेश करें और साझेदारी के नए आयाम स्थापित करें। इससे प्रदेश के युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार मिलेगा और स्थानीय उद्योगों को भी नई ताकत मिलेगी। मुख्यमंत्री साय ने अपने दक्षिण कोरिया प्रवास के दौरान सियोल में आयोजित छत्तीसगढ़ इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम में भाग लिया, जिसका आयोजन इंडियन चेम्बर ऑफ कॉमर्स इन कोरिया (ICCK) के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ दक्षिण कोरियाई कंपनियों के लिए असीम संभावनाओं की धरती है। उन्होंने उल्लेख किया कि दक्षिण कोरिया भारत के शीर्ष तीन इस्पात निर्यात गंतव्यों में शामिल है और छत्तीसगढ़, देश का अग्रणी इस्पात उत्पादक राज्य होने के नाते, इस सहयोग को और गहरा करने तथा निवेश के नए अवसर प्रदान करने के लिए तैयार है।

छतीसगढ़ खनिज संसाधनों से समृद्ध

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज संसाधनों से समृद्ध है, जो ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योगों के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं । राज्य में प्रचुर मात्रा में लिथियम उपलब्ध है, जो ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल) क्रांति और नई पीढ़ी के उद्योगों को गति देने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ वैश्विक ऊर्जा संक्रमण का स्वाभाविक केंद्र बन सकता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने ICCK को नॉलेज पार्टनर के रूप में शामिल करने की घोषणा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ औद्योगिक नीति 2024-30 के तहत तकनीक, स्किलिंग और वैश्विक सहयोग को एक नई दिशा दी जाएगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कोरिया की नवाचार क्षमता और छत्तीसगढ़ के संसाधनों के मिलन से विकास का एक नया युग लिखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि छत्तीसगढ़ सरकार प्रत्येक निवेशक को "सिंगल विंडो क्लियरेंस" से लेकर भूमि आवंटन, आवश्यक अनुमतियों और सहयोगी नीतियों तक हर स्तर पर सहयोग प्रदान कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दक्षिण कोरिया कंपनियों की भागीदारी से छत्तीसगढ़ के औद्योगिक परिदृश्य में नए अवसरों का सृजन होगा और दक्षिण कोरिया-भारत औद्योगिक सहयोग को एक नई ऊँचाई मिलेगी।

बड़े शहरों से बस्तर तक हवाई सफर आसान

◦ बस्तर एयरपोर्ट से अब तक तीन लाख यात्रियों ने भरी उड़ान

छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के 25 वर्षों की विकास यात्रा में आवागमन की सुविधाओं का विस्तार महत्वपूर्ण उपलब्धि रही है। जहां राजधानी रायपुर पहले से ही देश के प्रमुख शहरों से वायु मार्ग से जुड़ा था, वहीं अब बस्तर, बिलासपुर और अंबिकापुर जैसे शहर भी विमान सेवाओं से लाभान्वित हो रहे हैं। विशेषकर बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर में एयरपोर्ट और नियमित यात्री उड़ानों की सुविधा से क्षेत्र में विकास की नई संभावनाएं खुली हैं।

जगदलपुर स्थित माँ दंतेश्वरी हवाई अड्डा का ऐतिहासिक महत्व है। इसका निर्माण वर्ष 1939 में ब्रिटिश शासनकाल में किया गया था और इसे उस समय "जहाज भाटा" नाम से जाना जाता था। वर्ष 2017 में केंद्र सरकार की उड़ान योजना के अंतर्गत भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा हवाई अड्डे के उन्नयन का कार्य प्रारंभ किया गया। वर्ष 2019 में इसे 3-सी श्रेणी में अपग्रेड किया गया, जिससे एटीआर-72 जैसे विमानों का संचालन संभव हुआ। वर्ष 2020 में छत्तीसगढ़ सरकार ने हवाई अड्डे का नामकरण बस्तर की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी के नाम पर किया। सितंबर 2020 में जगदलपुर से रायपुर और हैदराबाद के लिए एलायंस एयर द्वारा नियमित व्यावसायिक उड़ानें शुरू की गईं। इसके बाद दिल्ली, जबलपुर और बिलासपुर के लिए भी उड़ान सेवाएँ प्रारंभ हुईं। मार्च 2024 से इंडिगो एयरलाइंस ने जगदलपुर को हैदराबाद और रायपुर से जोड़ते हुए दैनिक सेवा शुरू की। पैरामिलिट्री बलों के लिए विशेष दिल्ली सेवा का संचालन भी किया जा रहा है।

तीन लाख यात्री हवाई यात्रा कर चुके

वर्तमान में जगदलपुर एयरपोर्ट से अब तक लगभग तीन लाख यात्री हवाई यात्रा कर चुके हैं। इससे न केवल स्थानीय नागरिकों को सुविधा मिली है, बल्कि व्यापार, पर्यटन, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। गंभीर मरीजों को बड़े शहरों तक शीघ्र उपचार हेतु पहुंचाना संभव हो पाया है। विद्यार्थी और युवा रोजगार एवं उच्च शिक्षा के लिए बड़े शहरों तक आसानी से पहुँच रहे हैं।

पर्यटन स्थलों तक देश-विदेश से पर्यटकों की पहुँच

बस्तर के हस्तशिल्प, वनोपज और हर्बल उत्पाद अब देश के बड़े बाजारों तक सरलता से पहुँच रहे हैं। वहीं चित्रकूट और तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान और ऐतिहासिक बस्तर दशहरा जैसे पर्यटन स्थलों तक देश-विदेश से पर्यटकों की पहुँच भी सहज हुई है। जगदलपुर एयरपोर्ट का संचालन बस्तर अंचल के लिए विकास का नया द्वार सिद्ध हो रहा है। इससे आंतरिक क्षेत्रों तक आधुनिक सुविधाएँ पहुँच रही हैं और बस्तर को राष्ट्रीय परिदृश्य पर नई पहचान मिल रही है। आने वाले समय में यह एयरपोर्ट क्षेत्र की आर्थिक और सामाजिक प्रगति का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।

छत्तीसगढ़ में रेल क्रांति, पांच साल में दोगुना नेटवर्क

- 47 हजार करोड़ रूपए की रेल विकास परियोजनाएं प्रगति पर
- वर्ष 2030 तक रेल नेटवर्क हो जाएगा दोगुना
- 32 अमृत भारत स्टेशन में होंगी वर्ल्ड क्लास सुविधाएं
- नई रेल परियोजनाओं का सर्वे अंतिम चरण में
- रेल सुविधाओं के साथ ही पर्यटन, व्यापार, उद्योग और रोजगार की बढ़ेंगी संभावनाएं

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ की संकल्पना को पूरा करने और छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था को बूस्ट करने के लिए नई-नई रेल परियोजनाओं को मंजूरी मिल रही है। वर्ष 1853 से लेकर 2014 तक 161 साल में छत्तीसगढ़ में केवल 1100 रूट किलोमीटर रेल लाइन बिछाई गई थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 से वर्ष 2030 तक प्रदेश में रेल नेटवर्क दोगुना बढ़कर 2200 रूट किलोमीटर हो जाएगा।

केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 के बजट में छत्तीसगढ़ को 6925 करोड़ रूपए राशि आबंटित की गई है। वर्तमान में केन्द्र सरकार की मदद से छत्तीसगढ़ में 47 हजार करोड़ रूपए की लागत से रेल विकास परियोजनाओं का कार्य प्रगति पर है। राज्य को दो नई वंदे भारत ट्रेन रायपुर-विशाखापटनम और रायपुर-नागपुर की सौगात मिली है। इसके अलावा राज्य सरकार ने मेट्रो ट्रेन के लिए सर्वे कराने का भी निर्णय लिया है। गौरतलब है कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में छत्तीसगढ़ में बिलासपुर में जोनल कार्यालय को मंजूरी दी गई थी। छत्तीसगढ़ को नई और प्रगतिरत रेल परियोजना के पूर्ण होने से राज्य में रेल सुविधाओं में बढ़ोत्तरी के साथ ही यहां पर्यटन, व्यापार, उद्योग के साथ-साथ रोजगार की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। इन रेल परियोजनाओं से सामाजिक-आर्थिक विकास को गति मिलेगी।

वर्ल्ड क्लास रेल्वे स्टेशन

छत्तीसगढ़ राज्य के 32 स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत वर्ल्ड क्लास रेलवे स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। ये स्टेशन आधुनिक यात्री सुविधाओं से युक्त, विश्वस्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित बनाए जा रहे हैं। हाल में ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमृत भारत रेल्वे स्टेशन योजना के तहत राज्य के 5 पुनर्विकसित अंबिकापुर, उरकुरा, भिलाई, भानुप्रतापपुर एवं डोंगरढ़ स्टेशनों का लोकार्पण किया गया है। अमृत भारत रेल्वे स्टेशन योजना में लगभग 1680 करोड़ रूपए की लागत से 32 रेल्वे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिनमें तीन प्रमुख स्टेशनों बिलासपुर (लागत 435 करोड़), रायपुर (लागत-463 करोड़) एवं

दुर्ग स्टेशन (लागत-456 करोड़) का व्यापक पुनर्विकास भी शामिल है। अमृत भारत स्टेशन के अंतर्गत भाटापारा, भिलाई पावर हाउस, तिल्दा नेवरा, बिल्हा, बालोद, दल्लीराजहरा, हथबंद, सरोना, मरोदा, मंदिरहसौद, निपानिया, भिलाई नगर, रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, रायगढ़, बाराद्वार, चाम्पा, नैला, जांजगीर, अकलतरा, कोरबा, उसलापुर, पेंड्रा रोड, बैकुंठपुर रोड, बिलासपुर, महासमुंद, जगदलपुर के स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है।

प्रगतिरत रेल परियोजनाएं

वर्तमान में छत्तीसगढ़ में 47 हजार करोड़ रूपए की लागत से स्वीकृत रेल परियोजनाओं का निर्माण किया जा रहा है। इनमें प्रमुख परियोजनाएं इस प्रकार है- राजनांदगांव-नागपुर तीसरी लाइन लम्बाई 228 किमी, छत्तीसगढ़ में 48 किमी, लागत 3544.25 करोड़, बिलासपुर-झारसुगुड़ा चौथी लाइन, लंबाई-206 किमी, छत्तीसगढ़ में 153 किमी, लागत 2135.34 करोड़, खरसिया-धरमजयगढ़ नई रेललाइन, लंबाई-162.5 किमी, लागत 3438.39 करोड़, गौरेला-पेंड्रा रोड-गेवरा रोड परियोजना, लंबाई 156.81 किमी, लागत 4970.11 करोड़, केन्द्री-धमतरी एवं अभनपुर-राजिम आमान परिवर्तन, लंबाई-67.20 किमी, लागत- 544 करोड़, बोरिडांड-अम्बिकापुर दोहरीकरण, लंबाई 80 किमी, लागत-776 करोड़, चिरमिरी-नागपुर न्यू हॉल्ट लाइन, लंबाई-17 किमी, लागत-622.34 करोड़ रूपए शामिल हैं।

बस्तर अंचल में नई स्वीकृत रेल परियोजनाएं

भारत सरकार के रेल मंत्रालय ने रावघाट-जगदलपुर नई रेल लाइन (140 किमी) परियोजना को स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस परियोजना पर 3513.11 करोड़ रुपए की लागत आएगी। यह निर्णय बस्तर अंचल के सामाजिक, आर्थिक और औद्योगिक विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

रावघाट-जगदलपुर रेललाइन की मंजूरी से बस्तर अंचल में यात्रा, पर्यटन, व्यापार और रोजगार की सम्भावनाएं बढ़ेंगी। यह रेल परियोजना नक्सलवाद के उन्मूलन की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। बस्तर में केके रेल लाईन (कोत्तवलसा से किरंदुल) दोहरीकरण का काम तेजी से चल रहा है। 446 किलोमीटर लम्बाई के रेल लाईन का 170 किलोमीटर हिस्सा छत्तीसगढ़ में है। छत्तीसगढ़ में इस रेल लाईन का 148 किलोमीटर दोहरीकरण कार्य पूर्ण हो चुका है।

सुकमा-दंतेवाड़ा-बीजापुर भी रेल नेटवर्क मे

कोठागुडेम (तेलंगाना) से किरंदुल तक प्रस्तावित 160.33 किमी लंबी नई रेललाइन के फाइनल लोकेशन सर्वे कार्य को केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृति मिलने के बाद सर्वे अब अंतिम चरण में है। इस प्रस्तावित रेललाइन का 138.51 किमी हिस्सा छत्तीसगढ़ के सुकमा, दंतेवाड़ा और बीजापुर से होकर गुजरेगा, जो अब तक रेल कनेक्टिविटी से वंचित रहे हैं। यह परियोजना न केवल आवागमन को सरल बनाएगी, बल्कि इन जिलों के सामाजिक-आर्थिक विकास में भी क्रांतिकारी बदलाव लाएगी।

नई रेल परियोजनाओं का सर्वे अंतिम चरण मे

छत्तीसगढ़ में अम्बिकापुर-बरवाडीह 200 किलोमीटर लागत 9718 करोड़, खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा नई रेल लाइन 278 किलोमीटर लागत 7854 करोड़, रावघाट-जगदलपुर नई रेल लाइन 140 किलोमीटर लागत 3513 करोड़, सरदेगा-भालूमाड़ा नई रेललाइन 37.24 किलोमीटर लागत 1282 करोड़ रूपए और धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा 301 किलोमीटर लागत 16,834 करोड़ रूपए रेल परियोजनाओं का डीपीआर तैयार हो रहा है। धरमजयगढ़-लोहरदगा और अंबिकापुर-बरवाडीह रेल परियोजना के लिए सर्वेक्षण का काम अंतिम चरण में।

छत्तीसगढ़ रेलवे कॉरपोरेशन की परियोजना

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा रेल कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए कटघोरा से डोंगरगढ़ रेल लाईन निर्माण के लिए 300 करोड़ रूपये का बजट प्रावधान किया गया है। इस रेल लाईन के बनने से नागपुर-झारसुगुड़ा रेल मार्ग पर चलने वाली माल-गाड़ियों का लोड कम होगा। छत्तीसगढ़ खनिज विकास निधि सलाहकार समिति द्वारा छत्तीसगढ़ रेलवे कॉरपोरेशन को डोंगरगढ़-कबीरधाम-मुंगेली-कटघोरा रेलमार्ग हेतु भू-अर्जन एवं प्रारंभिक निर्माण कार्य के लिए 300 करोड़ रुपए की राशि दिए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई।

सही टर्म प्लान कैसे चुनें?

0 जिम्मेदारियों और निवेश की प्राथमिकताओं पर निर्भर

टर्म इंश्योरेंस परिवार की वित्तीय सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है। बाजार में पांच मुख्य टर्म प्लान हैं प्योर टर्म, रिटर्न ऑफ प्रीमियम, लिमिटेड पे, इंक्रीजिंग टर्म, और सिंगल प्रीमियम. प्रत्येक की विशेषताएं अलग हैं, जो व्यक्तिगत जरूरतों और वित्तीय क्षमता पर निर्भर करती हैं। सही प्लान चुनना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, क्योंकि कई बार एजेंट्स अलग-अलग सलाह देते हैं। बीमा विशेषज्ञ मनीष मिश्रा के अनुसार, यह निर्णय आपकी आर्थिक स्थिति, जिम्मेदारियों, और निवेश की प्राथमिकताओं पर निर्भर करता है। इस लेख में हम इन प्लानों की विशेषताओं और सही प्लान चुनने के लिए विचार करने योग्य कारकों को समझेंगे, ताकि आप अपने लिए सबसे उपयुक्त विकल्प चुन सकें।

प्योर टर्म प्लान की विशेषताएं

प्योर टर्म प्लान सबसे सस्ता विकल्प है, जो केवल सुरक्षा प्रदान करता है। इसमें यदि पॉलिसी अवधि के दौरान मृत्यु हो जाती है, तो परिवार को क्लेम मिलता है, लेकिन अवधि समाप्त होने पर कोई रिटर्न नहीं मिलता। यह उन लोगों के लिए उपयुक्त है जो केवल वित्तीय सुरक्षा चाहते हैं और निवेश के लिए अन्य विकल्पों को प्राथमिकता देते हैं।

रिटर्न ऑफ प्रीमियम का लाभ

रिटर्न ऑफ प्रीमियम टर्म प्लान में, यदि पॉलिसीधारक अवधि के अंत तक जीवित रहता है, तो भुगतान किया गया पूरा प्रीमियम वापस मिल जाता है। यह उन लोगों के लिए आकर्षक है जो यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि उनका निवेश व्यर्थ न जाए। हालांकि, प्रीमियम की राशि को म्यूचुअल फंड जैसे इक्विटी साधनों में निवेश करने से बेहतर रिटर्न मिल सकता है, लेकिन यह हर किसी के लिए संभव नहीं होता।

लिमिटेड पे टर्म प्लान

लिमिटेड पे टर्म प्लान में प्रीमियम केवल सीमित अवधि के लिए देना होता है, लेकिन कवर पूरी पॉलिसी अवधि के लिए रहता है। यह उन लोगों के लिए उपयुक्त है जो कम समय में प्रीमियम भुगतान पूरा करना चाहते हैं, विशेष रूप से व्यवसायी जो अपनी आय की अनिश्चितता के कारण दीर्घकालिक भुगतान से बचना चाहते हैं।

इंक्रीजिंग टर्म प्लान का महत्व

इंक्रीजिंग टर्म प्लान में कवर समय के साथ बढ़ता रहता है, जैसे 5 या 10 फीसद प्रतिवर्ष, जो मुद्रास्फीति और बढ़ती पारिवारिक जिम्मेदारियों की जरूरत को पूरा करता है। यह उन लोगों के लिए आदर्श है जिनकी वित्तीय जिम्मेदारियां समय के साथ बढ़ रही हैं, जैसे युवा माता-पिता या वे लोग जो भविष्य में बढ़ती लागतों को कवर करना चाहते हैं।

सिंगल प्रीमियम प्लान

सिंगल प्रीमियम टर्म प्लान में एकमुश्त प्रीमियम भुगतान करना होता है, जिसके बाद पूरी अवधि के लिए कवर मिलता है। यह उन लोगों के लिए सुविधाजनक है जो एक बार में भुगतान कर लंबे समय तक की सुरक्षा चाहते हैं, विशेष रूप से व्यवसायी जिनकी आय अनिश्चित होती है. यह प्लान बार-बार प्रीमियम भुगतान की परेशानी से बचाता है।

सही प्लान चुनने के लिए करें विचार

मनीष मिश्रा के अनुसार, सही टर्म प्लान चुनना आपकी आर्थिक क्षमता, जिम्मेदारियों, और निवेश की प्राथमिकताओं पर निर्भर करता है। रेगुलर प्रीमियम टर्म प्लान उन लोगों के लिए उपयुक्त है जो नियमित भुगतान कर सकते हैं। लिमिटेड या सिंगल प्रीमियम व्यवसायियों के लिए बेहतर है, जबकि रिटर्न ऑफ प्रीमियम उन लोगों को आकर्षित करता है जो प्रीमियम वापसी चाहते हैं. इक्विटी निवेश हर किसी के लिए संभव नहीं, इसलिए व्यक्तिगत आराम और वित्तीय लक्ष्य महत्वपूर्ण हैं।

अगर आपका आधार से मोबाइल नंबर अपडेट कराना है तो करें ऐसा....

क्या आपका फोन नंबर भी आधार से लिंक नहीं है? या पुराना वाला मोबाइल नंबर बंद हो चुका है तो सतर्क हो जाएं। सरकारी स्कीम्स का लाभ लेने के लिए, बैंकिंग से जुड़े लेन-देन करने और ऑनलाइन वेरिफिकेशन को पूरा करने के लिए आधार से जुड़ा मोबाइल नंबर अपडेट होना अब बेहद जरूरी है। न्क।प द्वारा जारी किया गया ये 12 डिजिट का आधार नंबर देश के सबसे अहम पहचान पत्र में से एक है। यह न सिर्फ पहचान बल्कि एड्रेस का प्रूफ भी है। यह सरकारी सब्सिडी, बैंकिंग सर्विस, स्कूल-कॉलेज एडमिशन, पासपोर्ट और ड्राइविंग लाइसेंस जैसी तमाम सुविधाओं के लिए भी मान्य है।

ऐसे में आधार से जुड़ी किसी भी ऑनलाइन सर्विस का लाभ लेने के लिए रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर एक्टिव होना जरूरी है, क्योंकि सभी ऑथेंटिकेशन के लिए व्ज्च इसी नंबर पर सेंड किए जाते हैं। अगर आपका मोबाइल नंबर अपडेट नहीं है तो आप न तो ऑनलाइन पेमेंट कर सकेंगे और न ही सरकारी पोर्टल पर वेरिफिकेशन को कंप्लीट कर सकेंगे।

ऑनलाइन मोबाइल नंबर नहीं होगा अपडेट

पहले आधार कार्ड में नाम, पता जैसी जानकारियों के साथ मोबाइल नंबर भी ऑनलाइन अपडेट करने की सुविधा मिल जाती थी, लेकिन अब न्क।प ने इस सुविधा बंद कर दिया है, यानी अब आपको मोबाइल नंबर चेंज या नया नंबर ऐड करवाने के लिए आधार सेवा केंद्र पर ही जाना होगा।

ये काम अब न तो वेबसाइट से पूरा होगा और न ही उांर्कीत ऐप से नंबर अपडेट होगा। यह प्रोसेस केवल ऑफलाइन होगा और इसके लिए आपको आधार सेवा केंद्र जाना होगा। हालांकि, इस काम के लिए आप अपॉइंटमेंट को ऑनलाइन बुक कर सकते हैं।

ऑनलाइन अपॉइंटमेंट बुक कैसे करें?

● सबसे पहले UIDAI की वेबसाइट पर जाएं और अपनी लैंग्वेज सेलेक्ट करें।

● इसके बाद My Aadhaar > Get Aadhaar > Book an Appointment पर क्लिक करें।

● यहां से अब अपनी सिटी/लोकेशन सेलेक्ट करके Proceed to Book Appointment पर क्लिक करें।

● अब मौजूदा रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर एंटर करें और कैप्चा भर कर व्ज्च जनरेट करें।

● इसके बाद OTP वेरिफाई करें और आधार नंबर, नाम, जन्मतिथि, राज्य और शहर की जानकारी भरें।

● इतना करने के बाद अपडेट ऑप्शन में New Mobile Number सेलेक्ट करें।

● अपनी सुविधा अनुसार वो डेट और टाइम का स्लॉट चुन लें जिस टाइम आप फ्री हों।

● इसके बाद बुकिंग को कन्फर्म कर दें।

छत्तीसगढ़िया खान-पान स्वाद, सेहत और संस्कृति की झलक

छत्तीसगढ़ की पारंपरिक थाली एक ऐसा अनुभव है जो न केवल स्वाद का खजाना है बल्कि इसमें समृद्ध संस्कृति और स्वास्थ्य का भी ध्यान रखा गया है। यहाँ की थाली में शामिल व्यंजन न केवल स्थानीय फसलों और मसालों से तैयार होते हैं बल्कि पोषण और सरलता में भी उत्कृष्ट हैं। छत्तीसगढ़ की पारंपरिक थाली प्रदेश की संस्कृति, परंपरा और स्वास्थ्य का अनूठा मेल है। यह थाली न केवल छत्तीसगढ़ की मिट्टी से जुड़ाव का अनुभव कराती है बल्कि आधुनिक जीवनशैली में भी स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता बढ़ाने में सहायक है। अगर आप छत्तीसगढ़ी स्वाद और संस्कृति का अनुभव करना चाहते हैं तो इस थाली का आनंद जरूर लें। आइए, छत्तीसगढ़ की इस अद्भुत थाली की विशेषताओं, उनके शारीरिक लाभ, उनकी तैयारी और उनके इतिहास के बारे में जानते हैं।

छत्तीसगढ़ी थाली अउ हमर इतिहास

छत्तीसगढ़ की पारंपरिक थाली की जड़ें ग्रामीण जीवन में गहराई से जुड़ी हुई हैं। यहाँ की थाली का प्रारंभ मुख्यतः कृषि आधारित जीवनशैली से हुआ। धान, दाल और मौसमी सब्जियों की प्रचुरता ने इस थाली को आकार दिया। गाँवों में महिलाएँ इन व्यंजनों को अपने परिवार के स्वास्थ्य और स्वाद का ध्यान रखते हुए तैयार करती थीं। धीरे-धीरे इन व्यंजनों में स्थानीय मसालों और पारंपरिक तकनीकों का समावेश हुआ, जिससे यह थाली छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान बन गई। छत्तीसगढ़ के उत्तर में बसे सरगुजा क्षेत्र और दक्षिण के बस्तर में इस थाली में बदलाव होते हैं, जो इन दोनों इलाकों में रहने वाले लोगों के स्वाद से जुड़ा हुआ है। लेकिन मैदानी क्षेत्र और सभी इलाकों को समाहित कर एक पारंपरिक छत्तीसगढ़ी थाली में इन्हीं व्यंजनों को परोसा जाता है।

चावल की रोटी और चौसेला रोटी छत्तीसगढ़ी थाली में रोटी की दो विशेष किस्में परोसी जाती हैं। चावल की रोटी चावल के आटे को गर्म पानी में गूँथकर तवे पर सेंकी जाती है। चौसेला रोटी मोटे अनाज के आटे से बनाई जाती है और इसे लोहे के तवे पर धीमी आँच में पकाया जाता है।

लाभ

- चावल की रोटी पाचन में सहायक और हल्की होती है।
- चौसेला रोटी फाइबर और ऊर्जा का अच्छा स्रोत है।

छत्तीसगढ़ी कढ़ी :

छत्तीसगढ़ी कढ़ी दही और बेसन से बनाई जाती है। इसमें तड़के के लिए सरसों, करी पत्ता और मिर्च का इस्तेमाल किया जाता है।

लाभ

- पेट को ठंडक देती है ।
- डिटॉक्स करने में मदद करती है ।
- प्रोटीन व प्रोबायोटिक्स का स्रोत।

चावल :

धान के कटोरे के रूप में प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ की थाली में चावल प्रमुख होता है। इसे सादे पानी में उबालकर तैयार किया जाता है।

लाभ

- ऊर्जा का प्रमुख स्रोत।
- पाचन को बेहतर बनाता है और हल्का भोजन माना जाता है।

साबूदाना व चावल के पापड़ :

साबूदाना और चावल के पापड़ कुरकुरे और स्वादिष्ट होते हैं। इनमें हल्के मसाले होते हैं।

लाभ

- तत्काल ऊर्जाप्रदान करते हैं।
- पाचन तंत्र को सक्रिय करते हैं।

मूंग की दाल :

मूंग दाल कोखास महत्व दिया जाता है। इसे हल्दी, नमक और हरी मिर्च डालकर पकाया जाता है।

लाभ

- प्रोटीन, फाइबर से भरपूर,
- मांसपेशियों को मजबूत बनाने के साथ पाचन में सहायक

पापड़ :

पापड़ थाली में कुरकुरेपन का ऐहसास जोड़ता है। इसे चने या मूंग के आटे से तैयार किया जाता है।

लाभ

- हल्का और पाचन में सहायक।
- भोजन के साथ संतुलन बनाए रखता है।

अचार :

छत्तीसगढ़ी अचार मसालों और तेल का अद्भुत संगम है। यह आम, नींबू या मिर्च से तैयार किया जाता है।

लाभ

- पाचन तंत्र को सक्रिय करता है।
- भोजन में स्वाद और भूख बढ़ाता है।

चटनी पपची :

यह पारंपरिक चटनी धनिया, टमाटर और लहसुन के साथ बनाई जाती है।

लाभ

- पाचन को बेहतर करती है।
- ताजगी और मसालेदार स्वाद का अनुभव देती है।

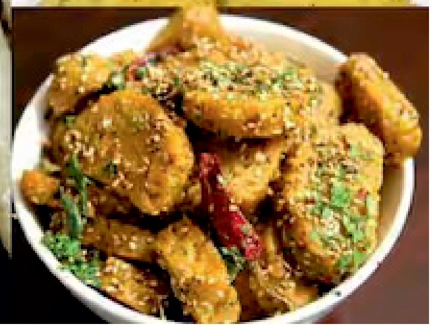

ठेठरी और खुर्मी :

ठठरे ी चावल के आटे से बनाई जाती है और खुर्मी गुड़ और आटे से तैयार की जाती है।

लाभ

- ऊर्जा का अच्छा स्रोत।
- भोजन के बाद हल्के स्नैक्स के रूप में परोसी जाती हैं।

ननकी या अदौरी बरी :

ननकी चने के आटे और मसालों से बनाई जाती है। इसे डीप फ्राई किया जाता है।

लाभ

- प्रोटीन का अच्छा स्रोत।
- स्वाद और पौष्टिकता का संगम।

मसाला युक्त मिर्ची :

मसालेदार मिर्ची तड़के और मसालों के साथ पकाई जाती है।

लाभ

- पाचन तंत्र को तेज करती है।
- मसालेदार स्वाद का अनुभव कराती है।

बिजौरी :

बिजौरी तिल और उड़द दाल से बनेछोटे कुरकुरे पापड़ होते हैं। इसे गर्म तवे पर सेंका या तला जाता है।

लाभ

- पाचन में सहायक।
- प्रोटीन और ऊर्जाप्रदान करता है।

तीन तरह की पारंपरिक सब्जियाँ रू छत्तीसगढ़ी थाली में मौसमी सब्जियों का विशेष स्थान है। यहाँ अड़गुड़ी की सब्जी, लाल भाजी और चनादाल-तिवरा भाजी प्रमुख हैं। चनादाल-तिवरा भाजी चने की दाल और तिवरा (एक प्रकार का देसी बीन्स) से तैयार होती है। इसे सरसों के तेल, प्याज और हल्के मसालों के साथ पकाया जाता है।

लाभ

विटामिन और खनिजों का खजाना, शरीर को आवश्यक पोषण और रोग, प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करती है।

मेकाहारा में विदेशी युवती का बेनाइन फाइब्रो एपिथीलियल ट्यूमर की सफल सर्जरी

ईस्ट अफ्रीका के देश रवांडा की रहने वाली है मरीज
इससे पहले लाइटलेम्बा, क्रिसेंट (दक्षिण अफ्रीका) की युवती का हो चुका है सफल उपचार

प्रदेश का सबसे बड़ा पं. नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय एवं इससे संबद्ध डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय लगातार अपनी उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं से न केवल प्रदेश और देश बल्कि विदेशों से आए मरीजों का भी भरोसा जीत रहा है। अनुभवी डॉक्टरों की टीम एवं उपचार प्राप्त करने की सरलतम प्रक्रिया के कारण यह अस्पताल सर्वाधिक विश्वसनीय संस्थान के रूप में अपनी पहचान व्यापक स्तर पर दर्ज कर चुका है। इसी क्रम में हाल ही में अस्पताल के जनरल सर्जरी विभाग में रवांडा (ईस्ट अफ्रीका) की 20 वर्षीय युवती के लेफ्ट ब्रेस्ट के बेनाइन फाइब्रो एपिथीलियल ट्यूमर का सफल ऑपरेशन किया गया। जनरल सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह के नेतृत्व में हुए इस ऑपरेशन की विशेषता यह रही कि ब्रेस्ट के ट्यूमर को निकालने के बाद मरीज के भावी जीवन, विशेषकर मातृत्व अवस्था पर इस सर्जरी का कोई प्रतिकूल असर नहीं पड़ेगा।

डॉ. मंजू सिंह के अनुसार वर्तमान में युवती पूरी तरह ठीक है और उसे अस्पताल से छुट्टी भी दी जा रही है। ऑपरेशन के संदर्भ में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि एक 20 वर्षीय विदेशी युवती लेफ्ट ब्रेस्ट में दर्द की समस्या के साथ अस्पताल के ब्रेस्ट क्लिनिक में आई थी। जहां पर जांच के बाद पता चला कि उसके ब्रेस्ट में बेनाइन फाइब्रो एपिथेलियल ट्यूमर है। मरीज की बायोप्सी हुई। उसके बाद ब्रेस्ट की कॉस्मेसिस (ब्वेउमेपे) मेंटेन करते हुए ऑपरेशन किया गया।

ब्रेस्ट के ट्यूमर एवं उसके आसपास के टिश्यू को हटाते हुए वाईड लोकल एक्सीजन किया गया। इस बात का ध्यान रखा गया कि ब्रेस्ट के शेप और साइज में कोई अंतर नहीं आये। साथ ही साथ सर्जरी के बाद निशान (scar) भी दिखाई नहीं दे।

देश बल्कि विदेश से भी मरीज उपचार के लिए आ रहे

पं. नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय के डीन डॉ. विवेक चौधरी के कहा है कि चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल के लिए यह गर्व की बात है कि यहाँ न केवल देश बल्कि विदेश से भी मरीज उपचार हेतु आ रहे हैं और स्वस्थ होकर लौट रहे हैं। जनरल सर्जरी विभाग द्वारा युवती का सफल उपचार हमारी चिकित्सा टीम की दक्षता, निष्ठा और समर्पण का प्रमाण है। मैं पूरी टीम को इस सफलता के लिए बधाई देता हूँ और विश्वास दिलाता हूँ कि हमारा संस्थान आगे भी इसी तरह उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करता रहेगा। अम्बेडकर अस्पताल के सर्जरी विभाग की इन उपलब्धियों ने यह साबित कर दिया है कि सरकारी अस्पतालों की सेवाएँ न केवल सुलभ और किफायती हैं बल्कि उच्चस्तरीय गुणवत्तापरक भी हैं। यही कारण है कि अब विदेशी मरीज भी यहाँ उपचार के लिए आ रहे हैं।

प्रतिमाह 300 से 400 ब्रेस्ट से संबंधित समस्याओं के केस

अम्बेडकर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने जानकारी देते हुए कहा है कि अम्बेडकर अस्पताल के जनरल सर्जरी विभाग की ओपीडी में ब्रेस्ट क्लीनिक का संचालन नियमित तौर पर किया जा रहा है। यहां पर प्रतिमाह 300 से 400 ब्रेस्ट से संबंधित समस्याओं के केस महिला डॉक्टरों के द्वारा देखे जाते हैं। आवश्यकतानुसार जरूरत पड़ने पर ऑपरेशन भी किया जाता है। वर्तमान में यहां जनरल सर्जरी विभाग में ब्रेस्ट की रीडक्शन सर्जरी भी की जा रही है जिसमें स्तनों के असामान्य आकार को ऑपरेशन के जरिए सामान्य स्थिति में लाया जाता है। मरीज का ऑपरेशन करने वाली टीम में डॉ. मंजू सिंह के साथ डॉ. अमित अग्रवाल, डॉ. मनीष साहू, डॉ. कृतिका एवं डॉ. तपिश, एनेस्थीसिया से डॉ. प्रतिभा शाह एवं डॉ. मंजुलता टंडन एवं अन्य शामिल रहे। गौरतलब है कि इससे पहले भी जनरल सर्जरी विभाग में दक्षिण अफ्रीका की एक युवती का सफल उपचार किया जा चुका है।

मछली बीज उत्पादन में आत्मनिर्भरता की ओर

◦ किसानों की आय में हो रही वृद्धि

प्रदेश में मत्स्य पालन विभाग द्वारा संचालित शासकीय मत्स्य बीज प्रक्षेत्रों और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से मछली पालन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इस प्रगति से स्थानीय मछुआरों और किसानों को आर्थिक मजबूती मिल रही है तथा किसान मछली बीज उत्पादन में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

बस्तर जिले में मछली बीज उत्पादन के लिए दो प्रमुख केंद्र मत्स्य बीज प्रक्षेत्र बालेंगा और मोती तालाब मत्स्य बीज प्रक्षेत्र, जगदलपुर में संचालित हैं। दोनों केंद्रों ने उत्पादन में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। बालेंगा केंद्र ने वर्ष 2024-25 में 8 करोड़ स्पान और 60 लाख 32 हजार स्टैंडर्ड फ्राय का उत्पादन कर लक्ष्य को पार किया। वहीं वर्ष 2025-26 में अब तक 8 करोड़ 32 लाख स्पान और 2 लाख 32 हजार स्टैंडर्ड फ्राय का वितरण किया जा चुका है। इसी तरह मोती तालाब केंद्र ने वर्ष 2024-25 में 2 करोड़ 6 लाख 2 हजार 860 स्टैंडर्ड फ्राय का उत्पादन कर 1 करोड़ 80 लाख के लक्ष्य को पार किया, जबकि वर्ष 2025-26 में अब तक 60 लाख स्टैंडर्ड फ्राय का वितरण किया जा चुका है।

मत्स्य पालन विभाग द्वारा विभिन्न योजनाएं न केवल मछली उत्पादन बढ़ा रही हैं बल्कि किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त भी कर रही हैं। मौसमी तालाबों में मत्स्य बीज संवर्धन योजना के तहत निजी मत्स्य बीज उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु किसानों को 100 प्रतिशत अनुदान पर स्पान और अनुपूरक आहार सामग्री प्रदान की जाती है। वर्ष 2024-25 में इस योजना से 15 कृषक लाभान्वित हुए, जबकि 2025-26 में यह संख्या बढ़कर 17 हो गई, योजना की बढ़ती लोकप्रियता दर्शाती है।

इसी तरह, मत्स्य अंगुलिका क्रय कर संचयन पर आर्थिक सहायता योजना के तहत 1 से 10 हेक्टेयर तक के तालाब वाले सभी वर्ग के मछुआरों को प्रति वर्ष 4 हजार रुपये व्यय पर 2 हजार रुपये का अनुदान दिया जाता है, जबकि शेष राशि कृषक द्वारा वहन की जाती है। योजना के अंतर्गत पैकिंग सहित प्रति कृषक 5,000 नग मछली बीज उपलब्ध कराए जाते हैं। वर्ष 2024-25 में 796 मत्स्य पालकों को 1 करोड़ 5 लाख 96 हजार मछली बीज प्रदान किए गए, जबकि 2025-26 में 1,000 इकाई वितरण का लक्ष्य रखा गया है। इन प्रयासों से बस्तर जिला न केवल मछली बीज उत्पादन में अग्रणी बन रहा है बल्कि खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में भी अहम भूमिका निभा रहा है।

मछली पालन से कुलेश्वरी बनी आत्मनिर्भर

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) योजना ग्रामीण महिलाओं के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम बन रही है। इस योजना के तहत स्व-सहायता समूहों को ऋण उपलब्ध कराकर उन्हें आजीविका आधारित गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है, जिससे गांव की महिलाएं तेजी से स्वावलंबन की ओर अग्रसर हो रही हैं। मुंगेली विकासखंड के ग्राम भालापुर की कुलेश्वरी साहू ने भी एनआरएलएम योजना की मदद से आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया है। पहले वे पारंपरिक खेती-किसानी और मजदूरी के करती थीं, यही उनकी परिवार के जीवन-यापन का साधन था। सीमित आय के चलते परिवार को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। मां शीतला

स्व-सहायता समूह से जुड़कर तीन लाख रुपये का ऋण प्राप्त किया और अपने निजी डबरी में मछली पालन का कार्य प्रारंभ किया। मात्र एक वर्ष के भीतर कुलेश्वरी ने छह लाख रुपये मूल्य की मछली का विक्रय कर तीन लाख रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया। कुलेश्वरी साहू ने शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एनआरएलएम योजना ने उनकी आर्थिक दशा ही नहीं, उनके जीवन और परिवार की दशा भी बदल दी है। उन्होंने बताया कि भविष्य में वह मछली पालन के साथ-साथ अन्य आजीविका गतिविधियों को भी अपनाकर अपनी आय को और बढ़ाने की योजना बना रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) योजना से न केवल महिलाओं को आर्थिक संबल मिल रहा है, बल्कि गांवों में स्वरोजगार एवं आजीविका संवर्धन के अवसर भी सृजित हो रहे हैं। यह योजना ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भरता एवं सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर प्रदान कर रही है।

देश के नए उपराष्ट्रपति होंगे सीपी राधाकृष्णन

◦ 152 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की

एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन देश के नए उपराष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं। मतदान में सीपी राधाकृष्णन को कुल 452 वोट मिले। वहीं विपक्षी गठबंधन इंडिया के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। राधाकृष्णन ने 152 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की।

उपराष्ट्रपति चुनाव में कुल 98 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतगणना समाप्त होने के बाद नतीजे घोषित किए गए। जिसमें एनडीए उम्मीदवार को कुल 452 वोट मिले। जबकि विपक्ष के उम्मीदवार को 300 वोट मिले। उपराष्ट्रपति चुनाव में कुल 767 वोट डाले गए। जिनमें से 752 वैध और 15 अवैध थे। कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार के पक्ष में 315 सांसदों के मतदान का दावा किया था। वहीं बीआरएस और बीजेडी ने चुनाव में भाग नहीं लिया, जबकि राज्यसभा में बीआरएस के चार और बीजेडी के सात सांसद हैं। वहीं अकाली दल के सांसद ने बाढ़ के चलते मतदान में हिस्सा लेने से मना कर दिया था।

पीएम मोदी ने किया सबसे पहले मतदान

प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले मतदान किया। मोदी ने केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू, अर्जुन राम मेघवाल, जितेंद्र सिंह और एल. मुरुगन के साथ संसद भवन के कमरा संख्या 101, वसुधा में स्थापित मतदान केंद्र में अपना वोट डाला। शुरुआत में मतदान करने वालों में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा, समाजवादी पार्टी के नेता राम गोपाल यादव, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश और सैयद नासिर हुसैन शामिल थे। पूर्व प्रधानमंत्री, 92 वर्षीय देवेगौड़ा व्हीलचेयर पर मतदान केंद्र पहुंचे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे हाथों में हाथ डाले मतदान केंद्र तक जाते देखे गए।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार, एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी और कई अन्य नेताओं ने भी मतदान किया। जेल में बंद सांसद इंजीनियर रशीद ने भी मतदान में हिस्सा लिया।

दक्षिण भारत से थे दोनों उम्मीदवार

संसद के हालिया मानसून सत्र के दौरान जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था, हालांकि उनका कार्यकाल दो साल बचा हुआ था। उनके इस्तीफे के कारण यह चुनाव हुआ। इस बार दोनों उम्मीदवार दक्षिण भारत से हैं। राधाकृष्णन तमिलनाडु से जबकि रेड्डी तेलंगाना से हैं।

जानें नए उप राष्ट्रपति के बारे में

उप राष्ट्रपति पद के राजग उम्मीदवार राधाकृष्णन तमिलनाडु की एक प्रमुख ओबीसी जाति गौंडर से आते हैं और आरएसएस की पृष्ठभूमि वाले हैं। राधाकृष्णन को 2023 में झारखंड का राज्यपाल बनाया गया था और फिर जुलाई 2024 में उन्हें महाराष्ट्र स्थानांतरित कर दिया गया था। अपने पूर्ववर्ती धनखड़ के विपरीत, राधाकृष्णन ने राज्यपाल के रूप में विवादास्पद राजनीतिक मुद्दों पर सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करने से काफी हद तक परहेज किया है। वह 1998 में कोयंबटूर से पहली बार लोकसभा के लिए चुने गए और 1999 में फिर से इस सीट से लोकसभा के लिए निर्विचत हुए थे।

भाजपा में सक्रियता और लोकसभा सांसद

वहीं, साल 1996 में इनको भाजपा तमिलनाडु का सचिव बनाया गया। इसके बाद 1998 में कोयंबटूर से ये पहली बार लोकसभा सांसद चुने गए और 1999 में फिर से जीत का परचम लहराया। साथ ही संसद में उन्होंने टेक्सटाइल पर स्थायी समिति के अध्यक्ष के तौर पर भी काम किया है। ये पीएसयू समिति, वित्त पर परामर्श समिति और शेयर बाजार घोटाले की जांच करने वाली विशेष समिति के सदस्य भी रहे हैं। साल 2004 में इन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा को भारतीय संसदीय दल के हिस्से के रूप में संबोधित भी किया है। ये ताइवान जाने वाले पहले संसदीय प्रतिनिधिमंडल का भी हिस्सा थे।

भाजपा नेतृत्व और जनआंदोलन में भूमिका

2004 से 2007 तक वे भाजपा तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष रहे। इस दौरान उन्होंने 19,000 किलोमीटर लंबी रथयात्रा निकाली, जो 93 दिनों तक चली। इस यात्रा में उन्होंने नदियों को जोड़ने, आतंकवाद खत्म करने, समान नागरिक संहिता लागू करने, छुआछूत समाप्त करने और मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान जैसे मुद्दे उठाए। माना जाता है इस यात्रा से इनका राजनीतिक कद और बढ़ गया था। इसके अलावा उन्होंने दो पदयात्राएं भी कीं। 2016 से 2020 तक वे कोचीन स्थित कोयर बोर्ड के अध्यक्ष रहे। उनके नेतृत्व में कोयर निर्यात 2532 करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंचा। 2020 से 2022 तक वे भाजपा के ऑल इंडिया प्रभारी रहे और उन्हें केरल का जिम्मा सौंपा गया।

राज्यपाल और उपराज्यपाल के तौर पर कार्यकाल

18 फरवरी 2023 को उन्हें झारखंड का राज्यपाल नियुक्त किया गया। उन्होंने मात्र चार महीनों में राज्य के सभी 24 जिलों का दौरा किया और जनता व प्रशासन से सीधे संवाद किया। 31 जुलाई 2024 को उन्हें महाराष्ट्र का राज्यपाल बनाया गया। इसी बीच साल 2024 में इन्हें तेलंगाना का भी राज्यपाल बनाया गया था। इतना ही नहीं, ये पुडुचेरी के उपराज्यपाल भी बनाए जा चुके हैं। सीपी राधाकृष्णन एक अच्छे खिलाड़ी भी रहे हैं। कॉलेज स्तर पर वे टेबल टेनिस चैंपियन और लंबी दूरी के धावक रहे। इसके अलावा उन्हें क्रिकेट और वॉलीबॉल का भी शौक रहा है। उन्होंने अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, जापान, चीन और कई यूरोपीय देशों सहित दुनिया के कई हिस्सों की यात्राएं की हैं।

परिणाम मेरे पक्ष में नहीं

उपराष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद बी सुदर्शन रेड्डी ने कहा, मैं नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन को उनके कार्यकाल की शुरुआत के लिए शुभकामनाएं देता हूं। हालांकि परिणाम मेरे पक्ष में नहीं है, फिर भी वैचारिक लड़ाई और अधिक जोश के साथ जारी रहेगी।

पहली बार मिजोरम में रेल नेटवर्क

◦ राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ने वाली ऐतिहासिक पहल

उत्तर-पूर्व भारत में रेल संपर्क को नई दिशा प्रदान करने वाली बइरबी-सायरंग रेल परियोजना को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। आजादी के 78 वर्षों के बाद पहली बार मिजोरम की राजधानी आइजोल को राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ने का यह ऐतिहासिक अवसर है।

इस परियोजना के अंतर्गत 4 नये स्टेशन-हरतकी,कावनपुई, मुअलखांग और सायरंग विकसित किए गए हैं। ये सभी स्टेशन आधुनिक यात्री सुविधाओं से लैस हैं तथा यात्री और मालगाड़ियों दोनों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाए गए हैं। करीब 8071 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस परियोजना को भारत की सबसे चुनौतीपूर्ण इंजीनियरिंग परियोजनाओं में गिना जाता है। कठिन पहाड़ी इलाका, घने जंगल और लगातार भारी वर्षा जैसी प्राकृतिक चुनौतियों के बावजूद यह परियोजना समयबद्ध तरीके से पूरी की गई। इस परियोजना में कुल 48 सुरंगें (12,853 मीटर लंबाई), 55 बड़े पुल, 87 छोटे पुल, 5 रोड ओवर ब्रिज (त्ठ) और 6 रोड अंडर ब्रिज (त्ठ) निर्मित किए गए हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण संरचना पुल संख्या 196 है, जिसकी ऊँचाई 114 मीटर है, जो कुतुब मीनार से भी 42 मीटर ऊँचा है। यह रेल लाइन मिजोरम की राजधानी आइजोल के नजदीक तक पहुँचती है। मिजोरम की सीमाएँ म्यांमार और बांग्लादेश से जुड़ी होने के कारण यह परियोजना सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है।

पर्यटन को नया आयाम मिलेगा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 29 नवम्बर 2014 को इस परियोजना की आधारशिला रखी थी। अब इसके पूर्ण होने से मिजोरम का असम एवं शेष भारत से संपर्क सुगम होगा। आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति तेजी से होगी, व्यापार एवं औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय उत्पादों को बड़े बाजार उपलब्ध होंगे। साथ ही, मिजोरम की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक धरोहर तक आसान पहुँच बनने से पर्यटन को नया आयाम मिलेगा। इससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आजीविका के स्थायी अवसर भी सृजित होंगे। यह परियोजना न केवल आर्थिक और सामाजिक विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी, बल्कि 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

लगभग 51.38 किलोमीटर लंबी यह रेल लाइन असम के बइरबी स्टेशन से प्रारंभ होकर मिजोरम के सायरंग तक पहुँचती है। इसे चार चरणों में पूरा किया गया है-

- बइरबी-हरतकी (16.72 किमी)
- हरतकी -कावनपुई (9.71 किमी)
- कावनपुई-मुअलखांग (12.11 किमी)
- मुअलखांग-सायरंग (12.84 किमी)

ग्राफिक्स

8071 करोड़ रूपए कुल लागत

51.38 किमी का रेलखंड

ऐसे खूबसूरती बढ़ाता है बैराबी-सायरंग रूट

12.85 किमी लंबी कुल 48 सुरंग रास्ते में

55 बड़े पुलों से गुजरेगी ट्रेनें

87 छोटे पुल भी बनाए गए सेक्शन पर

05 आरओबी का निर्माण किया रेलवे ने

06 रोड अंडर ब्रिज का भी हुआ काम

एनडीए सरकार को प्रमुख एजेंसियों का प्रोत्साहन

प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार के कार्यों और भारत में परिवर्तन लाने के लिए शुरू की गई नीतियों की सराहना की है।

विश्व बैंक ने उम्मीद जताई है कि भारत 2014-15 में 5.6% की तुलना में 2015-16 में 6.4% की अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ेगा। विश्व बैंक ने यह भी कहा कि विकास का यह मार्ग 'मोदी लाभांश' से जुड़ा हुआ है। विश्व बैंक ने आगे कहा कि सरकार की नीतियों और तेल की कीमतों में हो रही गिरावट के फलस्वरूप निवेश में वृद्धि होगी। विश्व बैंक के अध्यक्ष जिम योंग किम ने यह सकारात्मक उम्मीद जताई है। श्री किम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मजबूत दूरदर्शी नेतृत्व' से भारत में लोगों के वित्तीय समावेशन पर "असाधारण प्रभाव" पड़ा है। यहां तक कि उन्होंने जन-धन योजना के रूप में वित्तीय समावेशन की दिशा में भारत सरकार के प्रयास की भी सराहना की।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सुधार के लिए किये जा रहे प्रयासों और तेल की कीमतों में हो रही गिरावट से भारतीय अर्थव्यवस्था में उम्मीद से ज्यादा विकास होगा और इस मामले में यह चीन को भी पीछे छोड़ देगा। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने इन सुधारों को निवेशकों के बढ़ते विश्वास से जोड़ा है। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) का मानना है कि भारत में हो रहे आर्थिक सुधारों से भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और सतत एवं समावेशी विकास के मार्ग पर आगे बढ़ेगी। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सुधार के लिए किये जा रहे कार्यों और इसके लिए उनके उत्साह को दिखाता है।

अग्रणी और सम्मानित वैश्विक एजेंसी मूडी ने भारत की पिछली रेटिंग "स्थिर" को बदलकर अब "सकारात्मक" कर दिया है। इससे निवेशकों को काफी प्रोत्साहन मिलेगा और यह दिखाता है कि सुधार के लिए प्रधानमंत्री और उनकी टीम के प्रयासों को विश्व स्तर पर सराहा जा रहा है। भारत के विकास पर इसी तरह की एक आशावादी प्रतिक्रिया संयुक्त राष्ट्र ने भी दी जिसने विश्व आर्थिक स्थिति और संभावनाओं पर वर्ष के मध्य में जारी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इस वर्ष और अगले वर्ष भारत की विकास दर 7: से ऊपर रहेगी। इस प्रकार प्रधानमंत्री के सुधारवादी उत्साह और सुधार के लिए तीव्र गति से उठाये गए कदमों ने पूरे विश्व का ध्यान अपनी तरफ आकृष्ट किया है जो भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रति आशावादी सोच को दिखाता है।

बिलासपुर एजुकेशन सिटी शैक्षणिक क्रांति की तैयारी

छत्तीसगढ़ का बिलासपुर शहर जो कि न्यायधानी के रूप में जाना जाता है, अब यह शहर 100 करोड़ के बजट से प्रस्तावित एजुकेशन सिटी के माध्यम से शैक्षणिक नवाचार और समावेशिता का भी नया केन्द्र बनने जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर यह परियोजना युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ-साथ समग्र विकास का भी अवसर देगी।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और छात्रों के सर्वांगीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इसी क्रम में बिलासपुर शहर को एक आधुनिक एजुकेशनल हब के रूप में विकसित करने की दिशा में पहल की जा रही है। इसके पीछे प्रदेश सरकार का उद्देश्य प्रदेश के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ कराना, खेल, संस्कृति और नेतृत्व को बढ़ावा देना, ग्रामीण और आदिवासी छात्रों को समान अवसर देना, स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के साथ छात्रों को राज्य में ही बेहतर विकल्प देना है। बिलासपुर एजुकेशन सिटी 13 एकड़ में फैली एकीकृत शैक्षणिक टाउनशिप होगी, जिसकी अनुमानित लागत 100 करोड़ है। इसमें 500 विद्यार्थियों की क्षमता वाला ष्नालंदा परिसरष पुस्तकालय, 48 कोचिग ब्लॉक (4,800 छात्रों के लिए), 700-सीटर ऑडिटोरियम, 1,000-बेड छात्रावास, एस्ट्रोटर्फ खेल मैदान, डिजिटल क्लासरूम, सोलर पैनल व रेनवॉटर हार्वेस्टिंग जैसी सुविधाए शामिल है। राज्य सरकार, नगर निगम और निजी कोचिंग संस्थानों के सहयोग से यह पहल शैक्षिक पहुंच, समग्र विकास और स्थानीय अर्थ-व्यवस्था को नई दिशा देगी।

क्यों चुना गया बिलासपुर

सुव्यवस्थित परिवहन और शांत वातावरण के कारण यह शहर शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बनने की क्षमता रखता है। सरकार ने इस प्रोजेक्ट के लिए बिलासपुर को कई मायनों में परखने के बाद चुना है। राज्य गठन के पश्चात बिलासपुर शहर ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। बिलासपुर में एसईसीएल का मुख्यालय और रेलवे का डीआरएम कार्यालय भी स्थित है, जिससे यह शहर न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश में अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है। इसके अलावा बिलासपुर पहले से ही शैक्षणिक गतिविधियों का केंद्र रहा है। यहां । केंद्रीय विश्वविद्यालय, 2 राज्य विश्वविद्यालय, 8 प्रमुख कॉलेज सहित लगभग 100 कोचिन संस्थान कार्यरत हैं। इस शहर में पूरे प्रदेश से लगभग 50,000. छात्र विभिन्न पाठ्यक्रमों व प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते है।

तैयार होगी अत्याधुनिक बुनियादी संरचना

प्रस्तावित एजुकेशन सिटी का मुख्य उद्देश्य एक स्मार्ट शैक्षणिक इकोसिस्टम स्थापित

करना है। इसके तहत विभिन्न हाईटेक सुविधाएं विकासित की जाएंगी। बिलासपुर को एजुकेशन सिटी बनाने की योजना में कई महत्वपूर्ण बाते शामिल है। यह एजुकेशन सिटी बिलासपुर नगर निगम की भूमि पर स्थापित की जाएगी। इसे 13 एकड़ में बनाया जाएगा। योजनाबद्ध तरीके से इसके निर्माण की तैयारी की जा रही है। इससे साफ-साफ पता चलता है कि बिलासपुर एजुकेशन सिटी शैक्षणिक सुविधाओं, तकनीकी नवाचार और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोडेगी।

क्या है उद्देश्य व क्या होगा सामाजिक-आर्थिक प्रभाव

शिक्षा के क्षेत्र में बिलासपुर एजुकेशन सिटी केवल नाम का नहीं, बल्कि एक समावेशी परिवर्तन का मॉडल भी होगा। इसका प्रमुख उद्देश्य और प्रभाव भी व्यापक है। इस पहल से न केवल शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था, सामाजिक समावेश और नवाचार को भी बिलासपुर एजुकेशन सिटी की प्रति-स्पर्धात्मक स्थिति समझने के लिए इसे कोटा (राजस्थान), मुखर्जी नगर (दिल्ली) व मैसूरु (कर्नाटक) से तुलनात्मक रूप से देखा जा सकता है। कोटा बनाम बिलासपुर राजस्थान के कोटा में एनईईटी- जेईई की तैयारी के लिए लगभग 1,50,000 छात्र आते हैं, लेकिन बिखरी अवसंरचना व उच्च खर्च ने आवास व सुरक्षा सबंधी चिंताएं बढ़ाई है। बिलासपुर की एकीकृत टाउनशिप, नियामित शुल्क व समग्र छात्र कल्याण मॉडल इन चुनौतियों के समाधान की दिशा में बेहतर विकल्प है।

मुखर्जी नगर बनाम बिलासपुर दिल्ली का मुखर्जी नगर यूपीएससी कोचिंग का गढ़ है, पर उच्च आवास लागत व बिखरी संस्थाए छात्रों के लिए असुविधाजनक है। जबकि बिलासपुर एजुकेशन सिटी में एक ही परिसर में विविध प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए कम खर्च पर सुविधाएं प्रदान करने की तैयारी की जा रही है।

मैसूरु बनाम बिलासपुर रू मैसूरु सार्वजनिक विश्वविद्यालयों की विरासत के लिए प्रसिद्ध है, पर प्रतिस्पर्धी परीक्षा केंद्र नहीं है। बिलासपुर शिक्षण, अनुसंधान और उद्यमिता के साथ प्रतिस्पर्धी परीक्षा को भी शामिल कर रहा है, साथ ही एग्रीटेक व इन्क्यूबेशन जैसी नई पहल को जोड़ रहा है इसके कारण इसकी उपयोगिता काफी बढ़ जाती है।

नए विधेयक लाएंगे आमजन और व्यापार जगत के लिए बड़ी राहत

छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग मंत्रालय नवा रायपुर अटल नगर के द्वारा जारी युक्तियुक्तकरण निर्देश दिनांक 28.04.2025 एवं 02.08.2024 में किये गये प्रावधानों के तहत एक ही परिसर में संचालित 10372 तथा एक किलोमीटर से कम दूरी पर संचालित ग्रामीण क्षेत्रों की एवं 500 मीटर से कम दूरी पर शहरी क्षेत्रों में संचालित 166 कुल 10538 शालाओं का युक्तियुक्तकरण किया गया है। जिसके फलस्वरूप 16165 शिक्षकों एवं प्राचार्यों का समायोजन हुआ है। वर्तमान में कोई भी विद्यालय शिक्षक विहीन नहीं रह गया है। जबकि 5936 एकल शिक्षकीय विद्यालयों में से मात्र 1207 प्राथमिक शालाएं शिक्षकों की अनुपलब्धता के कारण एकल शिक्षकीय रह गयी है।

छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता (संशोधन) विधेयक, 2025

भूमि प्रबंधन में सरलता और पारदर्शिता

छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता (संशोधन) विधेयक, 2025 भूमि स्वामित्व, पंजीयन, नामांतरण और भू-उपयोग के मामलों में पारदर्शिता, सरलता और डिजिटल प्रक्रिया को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रस्तुत किया गया है। विधेयक में धारा 110, 164, 172 और अनुसूची 4 में महत्वपूर्ण संशोधन प्रस्तावित किए गए है, जिनका उद्देश्य भूमि संबंधी प्रक्रियाओं को अधिक सुगम और विवाद रहित बनाना है।

प्रमुख संशोधन

धारा 110 में स्वत: नामांतरण:

अब वाणिज्यकर विभाग द्वारा संपादित पंजीकृत अंतरण विलेखों के आधार पर राज्य सरकार द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के तहत स्वत: नामांतरण किया जाएगा। विधिक वारिसों के पक्ष में ई-नामांतरण और समूह आवासीय परियोजनाओं में साझा भूखंडों के अनुपातानुसार स्वत: नामांतरण की प्रक्रिया को भी वैधानिक मान्यता दी गई है।

धारा 164 में विधिक वारिसों का नामांकन: कोई भी भूमिस्वामी अपने जीवनकाल में राज्य सरकार द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार विधिक वारिसों को राजस्व अभिलेखों में दर्ज करवा सकता है। धारा 172 में भू-उपयोग परिवर्तन में सरलता: ऐसे भू-उपयोग क्षेत्रों में, जो मास्टर प्लान, औद्योगिक नीति या किफायती जन आवास योजनाओं के अंतर्गत आरक्षित हो, भूमि उपयोग परिवर्तन की अनुमति आवश्यक नहीं होगी सिर्फ पुनर्निर्धारण ही पर्याप्त होगा।

अनुसूची 4 में सुधार:

योजनाओं की स्पष्टता बढ़ाने और हितग्राहियों से अतिरिक्त शुल्क वसूलने जैसी समस्याओं को भी समाप्त करने का प्रयास किया गया है। साथ ही अवैध प्लॉटिंग पर रोक लगाने, बटांकन एवं अभिलेख

अद्यतन की प्रक्रिया को सरल और जनसुलभ बनाने की मंशा भी प्रकट की गई है। यह संशोधन जियोरेफ्रेंस्ड डिजिटल नक्शों की प्रक्रिया को भी विधिक संरक्षण देता है, जिससे भविष्य में भूमि विवादों में कमी आने की संभावना है।

राजस्व वृद्धि और स्पष्ट परिभाषाएं

छत्तीसगढ़ मोटरयान कराधान (संशोधन) विधेयक, 2025 राज्य में मोटरयान स्वामित्व के अंतरण (ट्रांसफर) पर अतिरिक्त कर लागू कर राजस्व में वृद्धि करने और संनिर्माण उपस्कर यान (Construction Equipment Vehicles) की स्पष्ट और व्यापक परिभाषा निर्धारित करने के उद्देश्य से प्रस्तुत किया गया है।

मुख्य संशोधन स्वामित्व अंतरण पर 'अंतरण कर' अधिनियम की धारा 3 में एक नई उपधारा (3) जोड़ी गई है, जिसके अनुसार अब किसी भी मोटरयान के स्वामित्व के अंतरण पर, मूल पंजीयन कर के अतिरिक्त 'अंतरण कर' भी देय होगा।

गैर-परिवहन यानों पर:

उनके पंजीयन के समय के निर्धारित मूल्य का 1%।

परिवहन यानों पर:

उनके मानक मूल्य का 0.5% कर अंतरण के समय देय होगा।

संनिर्माण उपस्कर यान की विस्तृत परिभाषा:

द्वितीय अनुसूची में संशोधन करते हुए संनिर्माण उपस्कर यान की परिभाषा को अत्यधिक विस्तृत किया गया है। अब इसमें वे सभी यान शामिल हैं जो निर्माण, खनन, उत्खनन, ड्रिलिंग, पेविंग, पंपिंग, लोडिंग, उतारने आदि कार्यों के लिए प्रयुक्त होते हैं और जो राजमार्गों पर सीमित या आंशिक रूप से चल सकते हैं। इसमें स्व-प्रणोदित मशीनें, रबड़ टायर या ट्रैक वाली गाड़ियाँ, डम्पर, लोडर, क्रेन, बूम पम्प जैसे यानों को विशेष रूप से सम्मिलित किया गया है।

छत्तीसगढ़ पेंशन निधि विधेयक, 2025

यह विधेयक राज्य के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के भविष्य को सुरक्षित करने और पेंशन भुगतानों के प्रभावी प्रबंधन के लिए एक दूरदर्शी वित्तीय योजना है। इसके तहत एक विशेष ष्पेंशन निधिष् की स्थापना की जाएगी, जिसका उपयोग केवल पेंशन भुगतानों के लिए होगा। यदि किसी वित्तीय वर्ष में पेंशन व्यय में 20: से अधिक वृद्धि होती है तो यह अतिरिक्त भार इसी निधि से वहन किया जा सकेगा। निधि की राशि को भारत सरकार की प्रतिभूतियों, राज्य सरकार की प्रतिभूतियों, ट्रेजरी बिल्स आदि में सुरक्षित रूप से निवेश किया जाएगा। निधि की स्थिति और उपयोग से संबंधित वार्षिक रिपोर्ट विधानसभा में प्रस्तुत की जाएगी और सार्वजनिक की जाएगी, जिसका वार्षिक लेखा परीक्षण राज्य के महालेखाकार द्वारा किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2025

यह विधेयक छत्तीसगढ़ माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 में कई महत्वपूर्ण तकनीकी और व्यावहारिक संशोधन करता है, ताकि जीएसटी प्रणाली को अधिक पारदर्शी और सरल बनाया जा सके। इसमें 'इनपुट टैक्स क्रेडिट' को राज्य जीएसटी और एकीकृत जीएसटी से जोड़ा गया है, 'संयंत्र और मशीनरी' की परिभाषा को पूर्व प्रभाव से संशोधित किया गया है और क्रेडिट नोट के संदर्भ में स्पष्टता लाई गई है। साथ ही स्थानीय निधि और नगरपालिका निधि की परिभाषाओं को स्पष्ट किया गया है और 'विशिष्ट पहचान चिह्नांकन' की अवधारणा जोड़ी गई है। यह संशोधन करदाताओं के अनुपालन बोझ को कम करेगा और केंद्र सरकार द्वारा किए गए संशोधनों के साथ सामंजस्य स्थापित करेगा।

बिहार चुनाव को लेकर माहौल बनाने की जंग

◦ सोशल मीडिया पर किसके समर्थकों का पलड़ा भारी ?

बिहार में चुनावी मौसम के साथ-साथ जमीनी स्तर पर भी राजनीतिक जंग तेज हो गई है और इसका असर ऑनलाइन

प्लेटफॉर्म्स पर भी देखने को मिल रहा है. दर्जनों सोशल मीडिया पेजों का पूरा नेटवर्क, जो अनौपचारिक होते हुए भी राजनीतिक रूप से अलग-अलग नेताओं और पार्टियों से जुड़ा हुआ है. अपने फेसबुक और इंस्टाग्राम पेजों का इस्तेमाल प्रतिद्वंद्वियों पर हमला करने, पक्ष में माहौल बनाने और युवाओं को संगठित करने के लिए कर रहा है.

फेसबुक पर AI वीडियोज की भरमार

मेटा प्लेटफॉर्म यानी फेसबुक पर 30 से ज्यादा सेरोगेट या अनौपचारिक पेज AI-जनरेटेड वीडियो, रील और पोस्ट बना रहे हैं. ये पेज, भले ही किसी भी राजनीतिक दल से औपचारिक रूप से जुड़े न हों, लेकिन प्रॉक्सी कैंपेन मशीनरी की तरह काम करते हैं, नेरेटिव को आगे बढ़ाते हैं, उपलब्धियों को उजागर करते हैं और प्रतिद्वंद्वियों को निशाना बनाते हैं. पिछले चुनावों के विपरीत, जहां ऑनलाइन कैंपेन अक्सर व्यक्तिगत हमलों और खुलेआम गालियों से भरे होते थे, इस बार अब तक के सर्किल में ज्यादा माइक्रो मैसेजिंग की कोशिश हो रही है. यहां जोर सीधे-सीधे

बदनामी करने के बजाय अपने पक्ष में माहौल बनाने पर है.

एनडीए के समर्थन में माहौल

बीजेपी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के समर्थन में नौ एक्टिव फेसबुक और इंस्टाग्राम पेज हैं, जिनके साथ 12 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं. इनके पोस्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के शासन के रिकॉर्ड को दिखाते हैं, साथ ही राष्ट्रीय जनता दल (RJD) के शासनकाल के 2005 से पहले के बिहार की यादें ताजा करते हैं. छह लाख फॉलोअर्स वाला बिहार लाइव अक्सर सड़क, बिजली, कृषि, महिला सशक्तिकरण और अल्पसंख्यक कल्याण पर नीतीश कुमार के रिकॉर्ड को दिखाता है और लालू प्रसाद यादव के दौर से इसकी तुलना करता है.

'डबल इंजन' सरकार का बखान

न्यूज पोर्टल जैसा दिखने वाला पेज, बोल बिहार बोल, 'डबल इंजन' सरकार को मजबूत और स्थिर बताकर विपक्ष को कमजोर बताता है. एनडीए के समर्थन में कई पेज भी '25 में भी नीतीश' कैंपेन लाइन के साथ चल रहे हैं, जिनमें एक समर्पित पेज भी शामिल है जिसके 4 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं. विपक्ष ऑनलाइन ज्यादा आक्रामक दिखाई दे रहा है, जहां 18 सेरोगेट पेजों पर नीतीश सरकार को निशाना बनाया जा रहा है, जबकि RJD और कांग्रेस के कैंपेन को बढ़ावा दिया जा रहा है. 'वॉयस ऑफ बिहार राहुल गांधी' पेज, जिसके

करीब 70,000 फॉलोअर्स हैं, नियमित रूप से बीजेपी पर हमला बोलता है.

तेजस्वी को बताया यूथ आइकन

आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के समर्थकों ने भी युवाओं पर केंद्रित एक मजबूत डिजिटल मौजूदगी बनाई है. युवा बिहार, आरजेडी सरकार, तेजस्वी आएगा 2025 और आरजेडी रील्स समेत एक दर्जन से ज्यादा इंस्टाग्राम पेजों के कुल मिलाकर 14 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं. इनके कंटेंट में अक्सर तेजस्वी को प्रभावशाली लोगों के साथ सहयोग करते और डांस रील्स में नजर आते हुए दिखाया जाता है, जिससे उन्हें एक यूथ आइकन के रूप में पेश किया जाता है.

चुनाव में डिजिटल वॉर रूम

इन सेरोगेट पेजों का दायरा इस बात पर जोर देता है कि बिहार के चुनाव अब सिर्फ सड़कों, रैलियों या टीवी डिबेट तक सीमित नहीं रह गए हैं. ये चुनाव रील दर रील, शेयर दर शेयर और फॉलोअर दर फॉलोअर लड़े जा रहे हैं. इसमें एनडीए और विपक्ष, दोनों ही सोशल मीडिया इकोसिस्टम को अपने प्रॉक्सी वॉर रूम में बदल रहे हैं.

अब घटे दूध, घी और पनीर के दाम, आइसक्रीम भी सस्ता

जीएसटी सुधारों के ऐलान के बाद बड़ा असर देखने को मिला है. मदर डेयरी ने ग्राहकों को राहत देते हुए दूध के दाम में कटौती कर दी है. 22 सितंबर से नए जीएसटी रेट्स लागू होने वाले हैं, लेकिन इससे पहले ही कंपनी ने अपने पैकेज्ड दूध की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर तक की कटौती कर दी है. मदर डेयरी ने अपने 1 लीटर टोंड टेट्रा पैक दूध के दाम को 77 रुपये से घटाकर 75 रुपये कर दिया है. इसके अलावा घी-पनीर समेत अन्य सामानों के भी दाम घटाए हैं.

सरकार ने बीते 3 सितंबर को जीएसटी सुधारों का ऐलान किया था और तमाम जरूरी सामानों पर लागू टैक्स में कटौती की जानकारी शेयर की थी. वित्त मंत्री ने कहा था कि 22 सितंबर से जीएसटी के नए रेट्स लागू होंगे और दूध, पनीर से लेकर एसी-टीवी तक सस्ते हो जाएंगे. इनके लागू होने से पहले ही मदर डेयरी ने उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए अपने मिल्क प्रोडक्ट्स की कीमतें कम कर दी हैं.

मदर डेयरी ने नए मानदंडों के साथ सभी उत्पादों पर 100% टैक्स लाभ ग्राहकों को देने के लिए ये बड़ा कदम उठाया है. गौरतलब है कि कंपनी का पूरा प्रोडक्ट पोर्टफोलियो या तो जीरो जीएसटी या 5% के सबसे निचले स्लैब के अंतर्गत आता है.

कटौती के बाद दूध-पनीर की ये नई कीमतें

कंपनी द्वारा दूध की कीमतों में की गई कटौती के बाद नए दाम की बात करें, तो मदर डेयरी के 1 लीटर यूएचटी मिल्क (टोंड-ट्रेटा पैक) का प्राइस जहां 77 रुपये से कम होकर 75 रुपये कर दिया गया है, तो वहीं 450 एमएल का पैक अब 33 रुपये की जगह 32 रुपये का मिलेगा. इसके अलावा कंपनी के तमाम फ्लेवर के मिल्कशेक के 180 एमएल पैक की कीमत 30 रुपये से कम होकर 28 रुपये रह गई है.

घी-मक्खन अब इस रेट में मिलेगा

मदर डेयरी द्वारा कीमतों में की गई कटौती के बाद अब इस कंपनी का मक्खन और घी भी ग्राहकों को सस्ता मिलेगा. 500 ग्राम का मक्खन 305 रुपये की जगह 285 रुपये का, जबकि 100 ग्राम मक्खन की टिक्की 62 रुपये की जगह 58 रुपये की मिलेगी. वहीं घी के दामों में कटौती देखें, तो 1 लीटर कार्टन पैक की कीमत 675 रुपये से घटकर 645 रुपये कर दी गई है, तो वहीं 500 एमएल का पैक 345 रुपये से कम होकर 330 रुपये रह गई है. 1 लीटर घी के टिन पैक की कीमत में प्रति लीटर 30 रुपये की कटौती की गई है और ये 750 रुपये से घटकर 720 रुपये हो गई है.

आइसक्रीम भी हो गई सस्ती

न सिर्फ दूध, पनीर, मक्खन और घी की कीमतों में कटौती की गई है, बल्कि मदर डेयरी ने आइसक्रीम की कीमतें भी घटा दी हैं. ताजा रेट कट के बाद कंपनी की 45 ग्राम आइसकैंडी, 50 एमएल वनीला कप, 30 एमएल चोकोबार की कीमत 10 रुपये से घटकर 9 रुपये रह गई. वहीं 100 एमएल के चोको वनीला और बटरस्कॉच कोन का दाम क्रमशः 30 रुपये से 25 रुपये और 35 रुपये से 30 रुपये रह गया है.

अचार-जैम पर इतना घटा दाम

दूध-घी-पनीर सस्ता करने के साथ ही मदर डेयरी के पोर्टफोलियो में शामिल अन्य प्रोडक्ट्स की कीमतों में भी कमी की गई है. इनमें अचार, जैम से लेकर सफल मटर तक शामिल हैं. नई रेट लिस्ट के मुताबिक, सफल फ्रोजन मटर का 1 किलो का पाउच 230 रुपये से कम होकर 215 रुपये का, जबकि 400 ग्राम का पैकेट 100 रुपये से कम होकर 95 रुपये का रह गया है.

उपभोक्ता ऊर्जा उत्पादक के साथ बन रहे ऊर्जा दाता

- पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत राज्य सरकार की 1.85 करोड़ रुपये की सब्सिडी का ऑनलाइन अंतरण
- मुख्यमंत्री ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में व्यापक जागरूकता के लिए सूर्य रथ को दिखाई हरी झंडी
- मुख्यमंत्री सौर ऊर्जा जागरूकता और प्रोत्साहन अभियान में हुए शामिल, उत्कृष्ट वेंडरों को किया सम्मानित

प्रदेश में सौर ऊर्जा के उपभोक्ता अब केवल ऊर्जा उत्पादक ही नहीं, बल्कि ऊर्जा दाता भी बन रहे हैं। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना जैसी महत्वाकांक्षी पहल के माध्यम से प्रदेश स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्य की प्राप्ति के संकल्प को तीव्र गति से पूर्ण करने की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित सौर ऊर्जा जागरूकता और प्रोत्साहन अभियान को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर सौर ऊर्जा के फायदों, पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना और इसके अंतर्गत मिलने वाली सब्सिडी के विषय में लोगों को जानकारी देने और जागरूक करने के उद्देश्य से सूर्य रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही मुख्यमंत्री ने 618 उपभोक्ताओं के खातों में प्रत्येक को 30 हजार रुपये की दर से कुल 1.85 करोड़ रुपये की राज्यांश सब्सिडी का ऑनलाइन अंतरण किया।

मुफ्त बिजली की ओर ले जाने का कार्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और लगातार बढ़ता प्रदूषण हम सभी के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2070 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है और छत्तीसगढ़ इस लक्ष्य की प्राप्ति में पूरे समर्पण और क्षमता के साथ अपनी भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देते हुए हॉफ बिजली बिल से आगे बढ़ते हुए मुफ्त बिजली की ओर ले जाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने इसे हर्ष का विषय बताते हुए कहा कि प्रदेशवासी इस योजना के महत्व को समझते हुए स्वच्छ ऊर्जा अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आमजन से आग्रह किया कि वे अपने आसपास के लोगों को भी इस योजना से जोड़ें और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में प्रदेश को अग्रसर बनाने में योगदान दें।

उपभोक्ताओं को पूर्ण रूप से मुफ्त बिजली का लाभ

मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर उपभोक्ताओं को सब्सिडी उपलब्ध करा रही हैं। साथ ही बैंकिंग व्यवस्था के माध्यम से आसान वित्तीय सुविधा भी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में उपभोक्ताओं को पूर्ण रूप से मुफ्त बिजली का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री कुसुम योजना के अंतर्गत आज लाभार्थियों को लेटर ऑफ अवार्ड प्रदान किए गए हैं। इन योजनाओं से उपभोक्ता स्वयं सौर ऊर्जा का उत्पादन कर बिजली का विक्रय कर रहे हैं और साथ ही सस्ती बिजली का लाभ भी प्राप्त कर रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी

जी ने सौभाग्य योजना के माध्यम से हर घर बिजली पहुँचाने का संकल्प लिया था। उस समय देश के 18 हजार गाँव अंधेरे में थे और आज उन सभी गाँवों तक बिजली पहुँच चुकी है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में अब देश स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

ऊर्जा क्षेत्र में 3.50 लाख करोड़ रुपये के एमओयू

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ में बिजली उत्पादन क्षमता केवल 1,400 मेगावाट थी, जबकि आज प्रदेश 30,000 मेगावाट का उत्पादन कर रहा है और पड़ोसी राज्यों को भी बिजली उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने बताया कि नई उद्योग नीति के अंतर्गत ऊर्जा क्षेत्र में 3.50 लाख करोड़ रुपये के एमओयू संपादित हुए हैं और आने वाले समय में प्रदेश की ऊर्जा उत्पादन क्षमता और भी बढ़ जाएगी। मुख्यमंत्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनेगा। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाएँ और स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्य की प्राप्ति में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएँ। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के समक्ष राजनांदगांव से आए कक्षा 12वीं के छात्र प्रथम सोनी ने सौर ऊर्जा की

विशेषताओं और शासन द्वारा इसे बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 'इम्पैक्ट ऑफ डिस्ट्रीब्यूटेड रिन्यूएबल एनर्जी ऑन ग्रिड स्टेबिलिटी' तथा 'एग्रीवोल्टाइक्स परफार्मर हैण्डबुक' का भी विमोचन किया। इस अवसर पर पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन में विशेष भूमिका निभाने वाले उत्कृष्ट वेंडरों को भी सम्मानित किया गया।

इन जरूरी चीजें के घटने वाले हैं दाम, हर घर में होता है इस्तेमाल

सरकार ने लोगों को बड़ा राहत देते हुए जीएसटी रेट कट के रूप में दिवाली से पहले बड़ा गिफ्ट दिया है. जहां एक ओर जीएसटी के तहत 4 स्लैब हटाकर सिर्फ 2 स्लैब (5%-18%) कर दिए गए हैं. वहीं आम आदमी के लिए कई जरूरी सामानों की कीमतें 22 सितंबर से कम हो जाएंगी. इनमें तमाम घरेलू और रोजमर्रा के इस्तेमाल में होने वाली चीजें शामिल हैं, जैसे दूध, पनीर, टूथपेस्ट, शैम्पू, नमकीन और बिस्कुट से लेकर कपड़े तक जिनके दाम घटने वाले हैं. आइए ऐसे ही 10 जरूरी सामानों के बारे में बात करते हैं और बताते हैं कि कैसे और कितना फायदा होने वाला है?

सरकार बोली- रोटी...कपड़ा और मकान सब सस्ता

जीएसटी स्लैब चेंज और रेट कट के बारे में बीते 3 सितंबर को ऐलान करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि ये बदलाव और सुधार देश के आम आदमी से लेकर किसानों और छोटे व्यापारियों को ध्यान में रखकर किए गए हैं. इसके बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी कहा कि किसी भी मिडलि क्लास के घर में कई तरह की इलेक्ट्रॉनिक्स चीजें जैसे- टीवी, फ्रिज, एसी, पावरबैंक, मोबाइल, चार्जर, कूलर का इस्तेमाल होता है, इन सभी चीजों पर टैक्स कम कर दिया गया है, जिससे इनके दाम घट जाएंगे, यही नहीं घर में यूज होने वाली हर जरूरी, रोटी से कपड़ा तक सस्ती की गई हैं.

हर घर में इस्तेमाल होने वाली चीजें सस्ती होंगी

जैसा कि सरकार ने कहा है कि रोटी-कपड़ा और मकान सभी के लिए सरकार ने अहम कदम उठाया है. जीएसटी के स्लैब में चेंज और नए जीएसटी रेट्स 22 सितंबर से लागू होने वाले हैं. इसके बाद तेल-शैंपू और साबुन से लेकर कपड़े-जूते, नमकीन-बिस्कुट तक सबसे सस्ते मिलने लगेंगे.

तेल-शैंपू और साबुन:

सरकार ने तेल और शैंपू पर टैक्स को 18 फीसदी से कम करके 5: किया है. फायदे का कैलकुलेशन देखें, तो पहले शैम्पू के 100 रुपये बेस प्राइस वाले पैक पर 18 फीसदी के हिसाब से 18 रुपये जीएसटी लागू था, तो अब सिर्फ 5 रुपये लगेगा. मतलब जो 118 रुपये का शैंपू पैक मिलता था, वो अब 105 रुपये में मिलेगा. तेल और साबुल पर भी इसी हिसाब से बचत होगी.

बिस्कुट-नमकीन:

सरकार की जीएसटी सुधार लागू करते हुए सबसे ज्यादा फोकस रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले सामानों के दाम घटाने पर रहा. इस क्रम में नमकीन-बिस्कुट भी शामिल हैं, जिनके टैक्स स्लैब को 18 फीसदी और 12% स्लैब से हटाकर 5 फीसदी कर दिया गया है. 5 रुपये की नमकीन पर पहले 12% टैक्स के हिसाब से 60 पैसे ळैज लगता था, तो अब सिर्फ 25 पैसे टैक्स लगेगा. इसी तरह बिस्कुट 18 से 5 फीसदी जीएसटी स्लैब में आया है, तो 5 रुपये का बिस्कुट पर जीएसटी पहले के 90 पैसे की जगह अब महज 25 पैसे लगेगा.

दूध-पनीर '0' जीएसटी :

यूएचटी दूध, पनीर का इस्तेमाल करने वाले लोगों को भी राहत मिली है, क्योंकि सरकार ने इनपर लगने वाले एसटी रेट को 12 फीसदी से घटाकर 0% कर दिया है. मतलब अब ये सामान टैक्स फ्री हो चुके हैं. अब अगर बाजार भाव के हिसाब से 75 रुपये का 250 ग्राम पनीर लेते हैं, तो फिर ये कीमत सीधे 9 रुपये कम हो जाएगी और आपको 66 रुपये देने होंगे.

घी-मक्खन सस्ता:

डेयरी प्रोडक्ट में अन्य जरूरी चीजें भी शामिल हैं, जैसे घी और मक्खन भी सस्ते हो जाएंगे. इनपर लगने वाले जीएसटी की दर को 12 फीसदी से कम करते हुए सरकार ने 5% कर दिया है. मतलब, 800 रुपये बेस प्राइस का धी प्रति किलो आपको 12 फीसदी टैक्स लगाकर 896 रुपये का मिलता था, तो इसपर जीएसटी 40 रुपये रह जाएगा और ये 840 रुपये का मिलेगा. इसी तरह आधा किलो मक्खन, जो 230 रुपये में आता है, 20 रुपये तक सस्ता मिलेगा.

पिज्जा-ब्रेड:

फूड प्रोडक्ट्स की कैटेगरी में पिज्जा-ब्रेड भी शामिल हैं, जिन पर बड़ी राहत देते हुए इन्हें जीएसटी फ्री कर दिया गया है. ये बच्चों से लेकर बड़े-बूढ़ों तक बड़ी राहत है. पहले इन सामानों पर 5 फीसदी की दर से टैक्स लागू था, जो शून्य हो गया है. सभी तरह की ब्रेड पर जीएसटी को खत्म किया गया है. ऐसे में 50 रुपये का ब्रेड अब 2.75 रुपये सस्ती हो जाएगी.

चॉकलेट-मिठाइयां:

त्योहारों पर देश में चॉकलेट और मिठाइयों की बिक्री आसमान पर रहती है और यही

नहीं ये घरों में रोजमर्रा के आइटम्स में भी शामिल हैं. ऐसे में सरकार ने इस पर फोकस करते हुए इन चीजों पर लागू जीएसटी रेट्स में बड़ा बदलाव करते हुए इन्हें 18 फीसदी से 5 फीसदी कर दिया गया है. इसके बाद जहां 50 रुपये की चॉकलेट अब 44 रुपये में मिलेगी, तो वहीं 400 रुपये प्रति किलो के लड्डू या अन्य मिठाई पर लगने वाले 72 रुपये का टैक्स सिर्फ 20 रुपये लगेगा. यानी हर एक किलो पर 52 रुपये की सीधी बचत होगी.

कपड़े:

अब कपड़े खरीदने पर भी जेब में काफी पैसों की बचत होने वाली है. दरअसल, सरकार के ऐलान के बाद अब ₹2,500 या उससे कम कीमत वाले सभी कपड़ों-साड़ी, शर्ट, ट्राउजर, रेडीमेड और अनस्टीच्ड क्लोथ पर नई जीएसटी दरें 5% लागू होंगी. ऐसे में 2000 रुपये कीमत के कपड़े की

कीमत में करीब 140 रुपये की कमी देखने को मिलेगी.

जूते:

कपड़ों की तरह ही 2500 रुपये से कम कीमत के जूतों पर भी जीएसटी रेट 12 फीसदी से कम करते हुए 5 फीसदी कर दिया गया है. कपड़ों की तरह ही अगर आप 2000 रुपये के जूते का कैलकुलेशन देखें, तो पहले इस पर पहले 240 रुपये जीएसटी

लगता था, लेकिन 5% स्लैब में आने पर सिर्फ 100 रुपये टैक्स लगेगा, यानी सीधे 140 रुपये का फायदा आपकी जेब में बचेगा.

बच्चों की शिक्षा से जुड़े सामान:

सरकार ने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई से जुड़े सामानों पर भी बड़ी राहत दी है. उनके द्वारा नोटबुक, पेंसिल, रबर, कटर समेत अन्य चीजों का खूब इस्तेमाल होगा है और अब तक इन पर 12 फीसदी की दर से टैक्स लागू होता था, ऐसे में जीएसटी काउंसिल की बैठक में बड़ा फैसला लेते हुए पेंसिल, रबर-कटर समेत ग्लोब, मैन, प्रैक्टिस बुक, ग्राफ बुक, प्रयोगशाला नोटबुक पर टैक्स खत्म कर दिया गया है.

इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम:

हर घर में एसी (AC), टीवी (TV) से लेकर वॉटर हीटर तक सस्ते होने वाले हैं. जहां सरकार ने एयर कंडीशनर को 28% से

18% जीएसटी स्लैब में डाला है, तो वहीं डिसवाशर, टीवी (एलईडी, एलसीडी), मॉनिटर, प्रोजेक्टर के टैक्स स्लैब को भी इसी अनुपात में बदला है. सोलर कुकर/वॉटर हीटर पर टैक्स 12% से 5% किया गया है.

सुर-ताल और घुंघरू की सतरंगी छटा, मल्लखंभ रहा आकर्षण का केंद्र

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चक्रधर समारोह 2025 का विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और लोक-शास्त्रीय कलाओं की अनूठी छटा से सराबोर रहा। रामलीला मैदान में आयोजित सुर, ताल, छंद और घुंघरू कलाकारों की सजीव प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया और समारोह की गरिमा को नई ऊंचाइयों पर पहुँचा दिया। चक्रधर समारोह में मुख्य आकर्षण अबूझमाड़ का प्रसिद्ध मल्लखंभ दल रहा। उनकी रोमांचक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को उत्साहित कर तालियों से सभागार गूंजा दिया। कवियों की प्रस्तुतियों में हास्य, वीर रस और व्यंग्य का सुंदर संगम देखने को मिला। दर्शक देर तक तालियों से कवियों का उत्साहवर्धन करते रहे।

अबूझमाड़ के विश्व प्रसिद्ध मल्लखंब दल ने दिखाया ताकत

चक्रधर समारोह में उस समय अविस्मरणीय बन गई, जब अबूझमाड़ से आए मनोज प्रसाद के नेतृत्व में मल्लखंब दल ने मंच पर प्रवेश किया। परंपरा, अनुशासन और

अद्भुत संतुलन के साथ खिलाडियों ने ऐसा प्रदर्शन किया कि पूरा कार्यक्रम स्थल रोमांचित हो उठा। बस्तर और नारायणपुर के छोटे-छोटे गांवों से निकलकर अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुँचे इंडियाज गॉट टैलेंट सीजन-10 के विजेता नरेंद्र गोटा और फुलसिंह सलाम ने अपने साथियों संग अद्भुत मल्लखंब कला की प्रस्तुति दी। मंच पर कलाकारों ने खंभे पर कौशल, कला व जिम्नास्टिक की अद्भुत मुद्राओं का प्रदर्शन किया, जिसने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। इस प्रस्तुति ने साबित कर दिया कि सुदूर वनांचल की प्रतिभाएं अब विश्व मंच तक अपनी पहचान दर्ज करा रही हैं। समारोह में उपस्थित हजारों दर्शकों ने खड़े होकर तालियों से इन कलाकारों की सराहना की और उन्हें छत्तीसगढ़ का गौरव बताया। यह वही दल है जिसने 2023 में इंडियाज गॉट टैलेंट सीजन 10 जीतकर पूरे देश का दिल जीता था। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी इन कलाकारों ने भारत का परचम लहराया है।

इन कलाकारों की सफलता के पीछे है अबूझमाड़ मल्लखंब अकादमी, जो 2018 से आदिवासी अंचलों के बच्चों को प्रशिक्षण देकर उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिला रही है। अब तक इस अकादमी के 500 से अधिक राष्ट्रीय पदक विजेता तैयार हो चुके हैं और 50 से अधिक बच्चे यहाँ रहकर शिक्षा एवं मल्लखंब की विधिवत ट्रेनिंग ले रहे हैं। इनके प्रशिक्षक मनोज प्रसाद ने अपनी मेहनत, समर्पण और जुनून से इन बच्चों को विश्वस्तरीय मंच दिलाया है।

नृत्यों ने कराया उत्तर-दक्षिण का संगम

चक्रधर समारोह के नृत्यों ने उत्तर-दक्षिण का संगम कराया। उत्तर भारत की संस्कृति को दर्शाने वाले कथक तो दक्षिण भारत की गौरवशाली पुरातन संस्कृति को प्रदर्शित करने वाले भरतनाट्यम नृत्य की प्रस्तुतियों ने माहौल भक्तिमय कर दिया। समारोह में उपस्थित दर्शक दोनों नृत्यों की प्रस्तुतियों के दौरान भक्ति रस में डूबे रहे। कथक

नृत्यांगना और गुरु संगीता कापसे और उनकी होनहार शिष्याओं की प्रस्तुति ने शास्त्रीय नृत्य को कृ□ण भक्ति की गहराई से जोड़ा। उन्होंने तीनताल और झपताल की संरचनाओं पर आधारित नृत्य में श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंगों को भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया।

संगीता कापसे और उनकी शिष्याओं ने मंच पर 'कृष्ण सांवरिया' प्रसंग को जीवंत किया। आज चक्रधर समारोह में कृष्ण सांवरा की प्रस्तुति रही-कृष्ण के गोकुल आगमन पर खुशी और उल्लास का भाव, माखन चोरी करते समय यशोदा और कृष्ण की ममता का भाव, गोपियों को परेशान करना, फिर कालिया नाग से सारे गोकुल को मुक्त करना और अंत में गोपियों के साथ रास करके प्रेम का संदेश देना। इन सबको उन्होंने भाव और लय की सुंदरता से पिरोया। उनकी प्रस्तुति में कथक का सौंदर्य ही नहीं, बल्कि लोक और शास्त्र के संगम का भी अनुभव हुआ। कार्यक्रम में कला-प्रेमियों ने उनकी नृत्य साधना और कृष्ण भक्ति से ओतप्रोत इस प्रस्तुति को सराहा।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मलेशिया और दुबई तक अपनी कला का प्रदर्शन कर चुकी संगीता कापसे को कई प्रतिष्ठित पुरस्कार मिल चुके हैं। छत्तीसगढ़ में पंजीकृत संगीता कला एकेडमी, रायपुर उनकी संस्था है, जो सामान्य बच्चों के साथ-साथ गरीब बच्चों को भी नृत्य का निरूशुल्क प्रशिक्षण दे रही है और उनकी शिक्षा का दायित्व उठा रही है।

भरतनाट्यम से दिखाई दक्षिण भारत की झलक

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर की सुप्रसिद्ध नृत्यांगना अजीत कुमारी कुजूर और उनकी टीम ने भरतनाट्यम की मनमोहक प्रस्तुति देकर दर्शकों का दिल जीत लिया। उनकी भावपूर्ण अभिव्यक्ति, सधे हुए पदचालन और नृत्य की बारीकियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। अजीत कुमारी की प्रस्तुति में दक्षिण भारत की संस्कृति और परंपरा की झलक सजीव रूप में दिखाई दी। उन्होंने भरतनाट्यम के माध्यम से कहानी कहने और भावनाओं को व्यक्त करने के लिए हाथों के हाव-भाव (मुद्रा), चेहरे के भाव (नवरस) और पैरों की तालबद्ध चाल का बेहतरीन उपयोग किया। यह प्रस्तुति न केवल भरतनाट्यम की शास्त्रीयता को दर्शाती थी, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर का अद्‌भुत संगम भी प्रतीत हुई। अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाने वाली अजीत कुमारी कुजूर ने जबलपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक और योग में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की है। वर्तमान में वह जल संसाधन विभाग, रायपुर में उप अभियंता के पद पर कार्यरत हैं। अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों के साथ-साथ, उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी नृत्य कला से एक विशिष्ट पहचान बनाई है। कला प्रेमियों ने उनकी प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि यह न केवल भरतनाट्यम की उत्कृष्टता को दर्शाती है, बल्कि लगन और समर्पण से कोई भी व्यक्ति अपने पेशेवर जीवन के साथ-साथ अपनी कला साधना को भी नई ऊंचाइयों तक ले जा सकता है। ज्ञात हो कि भरतनाट्यम तमिलनाडु, दक्षिण भारत का एक प्राचीन शास्त्रीय नृत्य है, जिसकी जड़ें मंदिरों में हैं और यह हिंदू धर्म की आध्यात्मिक विचारों और धार्मिक कहानियों को व्यक्त करता है।

कथक की प्रस्तुतियों ने बाधा समां

कथक नृत्य की प्रस्तुतियों से सराबोर रहा। रायगढ़ में आयोजित इस समारोह में आठवें दिन मंच पर सात वर्षीय कथक नृत्यांगना अंशिका सिंघल के साथ दुर्ग, बेंगलुरू, रायगढ़ घराने, जबलपुर के कथक कलाकरों ने अनुपम प्रस्तुतियां दी। नन्हीं बाल कलाकार आशिका सिंघल की कथक नृत्य प्रस्तुति से हुआ। केवल 7 वर्ष की आयु में ही आशिका ने अपनी सधी हुई ताल और भावपूर्ण अभिनय से उपस्थित दर्शकों का दिल जीत लिया। आशिका ने मैया मोरी मैं नहीं माखन खायो जैसे भक्ति गीत पर कथक नृत्य प्रस्तुत कर मंच की गरिमा बढ़ाई। उनकी लय, ताल और भावाभिव्यक्ति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रायपुर की बाल कलाकार आशिका सिंघल विगत चार

वर्षों से कथक की साधना कर रही हैं। उन्होंने विद्यालय एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर कई उपलब्धियां हासिल की हैं। दुर्ग की कथक नृत्यांगना देविका दीक्षित ने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। लगभग चौबीस वर्षों से कथक साधना में रमीं देविका ने परंपरा और नवीनता का ऐसा संगम प्रस्तुत किया, जिसमें भाव, लय और ताल की उत्कृष्टता स्पष्ट झलकी। उनकी प्रस्तुति में कथक की गहराई के साथ आधुनिक दृष्टि का समावेश दिखाई दिया। दर्शकों ने इस प्रतिभाशाली कलाकार के समर्पण और साधना से सजी प्रस्तुति को तालियों की गडगड़ाहट के साथ सराहा। देविका दीक्षित ने पाँच वर्ष की उम्र से ही नृत्य यात्रा की शुरुआत की और गुरु उपासना तिवारी एवं आचार्य पंडित कृष्ण मोहन मिश्र से प्रशिक्षण प्राप्त किया। कथक में 'कोविद' और 'विशारद' उपाधियाँ अर्जित करने के साथ उन्हें नेशनल नृत्य शिरोमणि पुरस्कार, श्रेष्ठ भारत सम्मान और गोपी कृष्ण नेशनल अवॉर्ड सहित कई राष्ट्रीय सम्मान मिल चुके हैं। दिल्ली के कामानी ऑडिटोरियम से लेकर बनारस लिट फेस्ट तक उन्होंने अपनी कला का प्रदर्शन कर सराहना प्राप्त की है। नृत्य के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी देविका ने अपनी अलग पहचान बनाई है। लंदन यूनिवर्सिटी कॉलेज से अर्बन डिजाइन में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने के बाद वे वर्तमान में आईआईएम, रायपुर से एमबीए की पढ़ाई कर रही हैं।

काव्य संध्या में गूंजा हास्य, वीर रस और व्यंग्य का संगम

हास्य, वीर रस और व्यंग्य के साथ काव्य पाठ और मधुर गीत-गायन-संगीत की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध कवि पद्मश्री स्व.डॉ. सुरेन्द्र दुबे की स्मृतियों को नमन करते हुए एक विशेष काव्य संध्या का आयोजन रायगढ़ के रामलीला मैदान में हुआ। पद्मश्री डॉ.दुबे, जिन्होंने हास्य और व्यंग्य को वैश्विक पहचान दिलाई, अनेक बार इस मंच पर अपनी रचनाओं से श्रोताओं को गुदगुदा चुके थे। उनकी स्मृतियों को समर्पित इस संध्या में प्रदेश के ख्यात कवियों ने वीर रस, हास्य और व्यंग्य की रचनाओं से दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। समारोह में राजनांदगांव के पद्मलोचन मुंहफट ने हास्य, व्यंग्य और पैरोडी से हंसी की फुहारें बिखेरीं। भिलाई के किशोर तिवारी ने अपने मधुर गीतों से श्रोताओं के दिलों को छू लिया। मुंगेली के देवेन्द्र परिहार ने ओजस्वी वीर रस की कविताओं ने वातावरण को ऊर्जावान बना दिया। रायपुर की शशि सुरेन्द्र दुबे ने गीत और व्यंग्य की रचनाओं से श्रोताओं को गुदगुदाया और सोचने पर विवश किया। रायगढ़ के नरेन्द्र गुप्ता ने वीर रस की कविताओं ने देशभक्ति और पराक्रम की भावना को जीवित किया। बिलाईगढ़ के बंशीधर मिश्रा ने हास्य कविताओं की चुटीली पंक्तियों से माहौल को खुशनुमा बना दिया। कवर्धा के अभिषेक पांडे ने युवा ऊर्जा और समकालीन व्यंग्य से भरी हास्य कविताओं ने मंच को जीवंत किया। बता दे कि गत वर्ष आयोजित 39वें चक्रधर समारोह में ड□.दुबे ने अपनी चिरपरिचित पैनी व चुटीली कविताओं से मंच को हँसी और व्यंग्य से गूंजा दिया था। अब वे हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी साहित्य साधना और कला अवदान अमर है। इस काव्य संध्या ने उनके योगदान को सच्ची श्रद्धांजलि दी।

मधुर रागों से सजी प्रस्तुति, श्रोताओं के दिलों में उतरा संगीत का रस

सुप्रसिद्ध संगीतकार एवं गायक अर्नव चटर्जी ने अपनी अनूठी प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में जन्में और ऑल इंडिया रेडियो, मुंबई से प्रमाणित गायक अर्नव चटर्जी ने भजन, गजल और गीतों की प्रस्तुति दी। उनकी मधुर आवाज और सुर-ताल की अद्भुत संगति ने श्रोताओं को मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के दौरान अर्नव चटर्जी ने फिल्म, टीवी सीरियल, म्यूजिक एल्बम और ड□क्यूमेंट्री फिल्मों के लिए किए गए अपने सृजनात्मक योगदान की झलक भी प्रस्तुत की। संगीत प्रेमियों ने उन्हें खड़े होकर तालियों से सम्मानित किया। चक्रधर समारोह की इस संध्या में उनकी प्रस्तुति ने न केवल भारतीय संगीत की समृद्ध परंपरा को जीवंत किया बल्कि अर्नव चटर्जी की संगीतमयी संध्या ने समारोह को अविस्मरणीय बना दिया।

भुने चने से इम्यूनिटी होती है मजबूत, जोड़ों का दर्द दूर भगाने में है असरदार

मीठा खाने के शौकीन हैं तो आपको ये हेल्दी रेसिपी अपनी डाइट में जरूर शामिल करनी चाहिए। भुने चने से इतनी टेस्टी पंजीरी बनती है जो मिठाइयों को भी मात दे देगी। इसमें आपको सारे नट्स, सीड्स और इम्यूनिटी बढ़ाने वाले तत्व मिलेंगे। सर्दी, जुकाम से लेकर रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने तक और जोड़ों के दर्द को दूर करने में भी ये पंजीरी कमाल का काम करती है। इस हेल्दी रेसिपी को कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले जरूर खाएं। खास बात ये है कि इसे बनाने में सिर्फ 15-20 मिनट का समय लगेगा। फटाफट नोट कर लें भुने चने की पंजीरी बनाने की रेसिपी।

भुने चने की पंजीरी बनाने की रेसिपी

पहला स्टेप-

पंजीरी बनाने के लिए एक कड़ाही में 1 चम्मच देसी घी डालें। 1 बाउल मखाना लें और उन्हें घी में भून लें। अब 1 चम्मच घी और डालें और उसमें गोंद भून लें। 1 छोटी कटोरी बादाम, 1 छोटी कटोरी काजू भून लें। इसमें 1 छोटी कटोरी खरबूजा के बीज भी मिलाएं। आधा कटोरी कद्दू के बीज मिलाएं और सारी चीजों को हल्का भून सें। इसमें आध छोटी कटोरी किशमिश भी डाल दें और हल्का भूनकर सारी चीजों को निकाल लें।

दूसरा स्टेप-

अब मखाना और सारे भुने हुए ड्राई फ्रूट्स और गोंद को मिलाकर हल्का एक-दो बार मिक्सी में पीस लें। थोड़े से भुने हुए ड्राई फ्रूट्स ऊपर से डालने के लिए अलग निकाल लें। बिना छिलके वाले प्लेन भुने हुए चने लें। आप चने 100 ग्राम या 200 ग्राम ले सकते हैं। इन्हें मिक्सी में डालकर पाउडर बना लें। कड़ाही में 1 चम्मच घी और डालें और इसमें आधा कटोरी पोस्ता दाना यानि खसखस और कद्दूकस किया हुआ नारियल डालकर भून लें।

तीसरा स्टेप-

सारी चीजों को किसी बड़े बर्तन में डालकर 1 चम्मच दकनी मिर्च यानि काली मिर्च का पाउडर, 1 चम्मच सौंठ का पाउडर, 1 चम्मच अजवाइन का पाउडर डाल दें। सारी चीजों को अच्छी तरह मिक्स कर लें और फिर इसमें एक बड़ा बाउल बूरा मिक्स कर दें। तैयार है सुपर हेल्दी और टेस्टी भुने चने की पंजीरी। आप इसे 2-3 चम्मच रोजाना दूध के साथ खाएं। सुबह नाश्ते में खाने से ये पंजीरी शरीर को भरपूर एनर्जी देगी। आप इसे बच्चों और बुजुर्गों को जरूर खिलाएं। इससे इम्यूनिटी मजबूत होगी और जोड़ों का दर्द दूर होगा।

◦ बिग बॉस की "गूगल गर्ल"

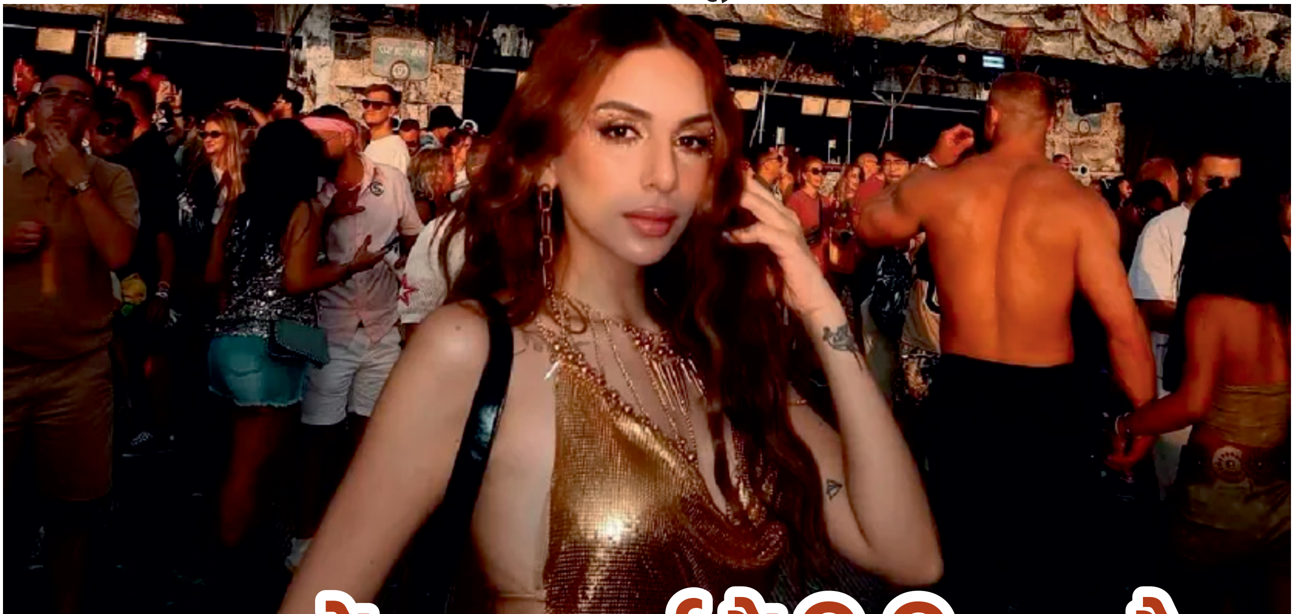

8 साल में बदल गई हैं नितिभा कौल

बिग बॉस 10 की नितिभा कौल को गूगल गर्ल के नाम से भी जाना जाता है। दरअसल, उन्होंने गूगल की नौकरी छोड़कर 2016 में बिग बॉस 10 में हिस्सा लिया था और ये पहला सीजन था जब सलमान खान के शो में सेलेब्स के साथ आम जनता को भी मौका मिला था। नितिभा कौल भी इन्हीं कॉमनर्स में से एक थीं। यूं तो मनवीर गुर्जर इस सीजन के विनर बनकर उभरे थे, जो खुद भी कॉमनर थे। लेकिन, उनके साथ ही नितिभा कौल, मनु पंजाबी, लोपामुद्रा राउत जैसे चेहरे भी खूब चमके। इस सीजन में प्रियंका जग्गा और स्वामी ओम जैसे कंटेस्टेंट भी शामिल हुए थे, जिन्होंने अपनी हरकतों से हर किसी को हैरान कर दिया था। नितिभा कौल की बात करें तो बीते 8 साल में वह पूरी तरह बदल चुकी हैं। गूगल की नौकरी छोड़कर बिग बॉस 10 में एंट्री लेने वालीं नितिभा अब डिजिटल कंटेंट क्रिएटर और सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर बन चुकी हैं।

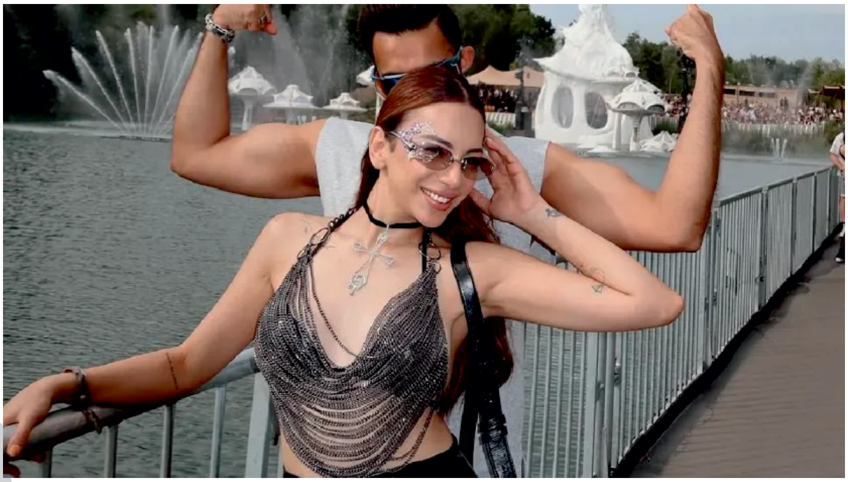

दिल्ली की रहने वालीं नितिभा काफी पढ़ी लिखी हैं और उनके पास बिजनेस और मार्केटिंग में एमबीए की डिग्री है। बिग बॉस से पहले वह गूगल इंडिया में बतौर अकाउंट स्ट्रैटजिस्ट काम करती थीं। यूं तो मनवीर गुर्जर इस सीजन के विनर बनकर उभरे थे, जो खुद भी कॉमनर थे। लेकिन, उनके साथ ही नितिभा कौल, मनु पंजाबी, लोपामुद्रा राउत जैसे चेहरे भी खूब चमके। इस सीजन में प्रियंका जग्गा और स्वामी ओम जैसे कंटेस्टेंट भी शामिल हुए थे, जिन्होंने अपनी हरकतों से हर किसी को हैरान कर दिया था। नितिभा कौल की बात करें तो बीते 8 साल में वह पूरी तरह बदल चुकी हैं।

नितिभा कौल बिग बॉस 10 हाउस में खुद को 90 दिन तक जमाए रहने में सफल रही थीं। 91वें दिन वह शो से एविक्ट हुईं और अब सोशल मीडिया पर कहर बरपा रही हैं। इंस्टाग्राम पर नितिभा के 1 मिलियन फॉलोअर हैं, जो उनकी हर एक्टिविटी पर नजर रखते हैं। इसके अलावा वह यूटच्यूब पर भी एक्टिव हैं।

ORGALIFE®

Eat Organic, Stay Healthy

CERTIFIED ORGANIC PRODUCTS

Range of 100% Natural & Eco Friendly Products

Old Price	Price	Product
~~140/-~~	120/-	हिमालयन पिंक सॉल्ट
~~130/-~~	115/-	आर्गेनिक गुड
~~130/-~~	115/-	आर्गेनिक गुड पाउडर
~~150/-~~	135/-	गुड चना
~~115/-~~	94/-	गुड खुरचन
~~140/-~~	125/-	गुड पान
~~140/-~~	120/-	गुड पाचक
~~175/-~~	160/-	टी मसाला
~~180/-~~	160/-	रेड राइस
~~180/-~~	165/-	ब्लैक राइस
~~125/-~~	155/-	ब्राउन राइस
~~210/-~~	190/-	रामजीरा राइस
~~160/-~~	145/-	दुबराज राइस
~~170/-~~	155/-	हर्बल सोप
~~560/-~~	545/-	नारियल तेल
~~110/-~~	95/-	लाल मिर्च पाउडर
~~720/-~~	700/-	गिर गाय A2 घी
~~175/-~~	154/-	आम का अचार
~~130/-~~	115/-	मिक्स दाल
~~125/-~~	110/-	मसूर दाल
~~110/-~~	90/-	चना दाल
~~130/-~~	115/-	मूंग दाल (बिना छिलका)
~~130/-~~	115/-	उड़द दाल (छिलका)
~~125/-~~	110/-	झुरगा
~~160/-~~	145/-	काबूली चना
~~145/-~~	120/-	राजमा जम्मू
~~110/-~~	85/-	मल्टी ग्रेन दलिया
~~140/-~~	120/-	मूंग दाल (छिलका)
~~80/-~~	60/-	सुजी
~~95/-~~	75/-	साबुत चना
~~110/-~~	85/-	गेंहू आटा
~~115/-~~	90/-	चना बेसन
~~140/-~~	120/-	उड़द दाल(बिना छिलका)
~~145/-~~	130/-	अरहर दाल
~~110/-~~	85/-	रागी फ्लोर
~~90/-~~	77/-	राइस पोहा

More Then 100+ Organic Grocery Products

Add.: Magneto Mall, Basement infront of Smart Bazar, Raipur (C.G.)
E-kart Shop at Spree Walks, Marine Drive, Telibandha, Raipur (C.G.)

Scan & Shop Now

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन)

जनजातीय विकास का नया युग

₹375.71 करोड़ स्वीकृत 100 पुल + अन्य निर्माण कार्य

9 मंत्रालय

11 प्रमुख विकास गतिविधियां

- **18** जिले
- **1442** गाँव
- **2,306** बसाहटें
- **56,669** परिवार

बचे 26 गांवों तक भी पहुंचेगी विकास की रोशनी

- **10,553** पक्के आवास पूर्ण
- **500** किमी सड़कें पूर्ण
- **44,101** आधार कार्ड जारी
- **10,125** किसान क्रेडिट कार्ड जारी
- **1,04,743** आयुष्मान कार्ड बने
- **36,521** जनधन खाते खुले
- **46,024** जाति प्रमाण पत्र जारी
- **228** गांवों में पाइप से जलापूर्ति
- **22,351** किसान सम्मान निधि पंजीकरण
- **30,559** राशन कार्ड वितरित
- **4,727** मातृत्व योजना लाभार्थी

- **4 छात्रावास** व **आंगनबाड़ी केंद्रों** का निर्माणकार्य पूर्ण
- बड़ी संख्या में **मोबाइल टॉवरों** की स्थापना
- **7 वन धन विकास केंद्र** संचालित
- **8 बहुउद्देशीय केंद्रों** का निर्माणकार्य पूर्ण

विद्युतीकरण

7144 परिवार (ऑन ग्रिड)

729 परिवार (ऑफ ग्रिड)

मोबाइल मेडिकल यूनिट

57 यूनिट से **317 गांव** लाभान्वित

RO No: 13431/199

* यह आंकड़े माह जुलाई तक के हैं कार्य निरंतर जारी है

हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे

हमसे जुड़ने के लिए **QR स्कैन करें**

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री